संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 279 मंगलवार 12 अगस्त 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बैंक में करोड़ों की डकैती

14 किलो 800 ग्राम सोना और 5 लाख केश लेकर नकाबपोश बदमाश फरार

जबलपुर,11अगस्त 2025(ए)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में सोमवार की सुबह कट्टे की नोक पर एक बैंक से करोड़ों की डकैती का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

आज के दौर में स्वास्थ्य और शिक्षा का बहुत महत्व:भागवत

इंदौर,11अगस्त 2025(ए)। मध्य प्रदेश के इंदौर में मानव सृष्टि आरोग्य केंद्र का शुभारंभ किया गया। इंदौर प्रवास पर पहुंचे संघ प्रमुख मोहन भागवत ने इस कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में स्वास्थ्य और शिक्षा का बहुत महत्व है। उन्होंने कहा कि जानकारी के लिए शिक्षा की आवश्यकता है और ज्ञान प्राप्त करना है तो स्वस्थ शरीर आवश्यक है।

नया इनकम टैक्स बिल 2025 लोकसभा से पास

नई दिल्ली,11अगस्त 2025(ए)। नया आयकर बिल लोकसभा में पास हो गया है। इसे पहले लोकसभा की सिलेक्ट पैनल की कुछ खास सिफारिशों को शामिल करने के लिए वापस ले लिया गया था। एक और बिल, टैक्सेशन लॉ (अमेंडमेंट) बिल भी लोकसभा में पास हो गया। इस बिल का मकसद यूनिफाइड पेंशन स्कीम के सब्सक्राइबर्स को टैक्स में छूट देना है। दोनों बिल बिना किसी बहस के पास हो गए, क्योंकि विपक्ष जीएसटी समेत अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर लगातार विरोध में जुटा है। सरकार ने नए रिवाइज्ड इनकम टैक्स बिल में सिलेक्ट कमेटी की लगभग सभी सिफारिशों को शामिल किया है।

अपडेटेड इनकम टैक्स बिल में 285 सुझाव शामिल

इससे पहले नया आयकर बिल लोकसभा में पेश करते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि रिवाइज्ड बिल निष्पक्षता और स्पष्टता में सुधार करेगा। कानून को मौजूदा प्रावधानों के अनुरूप बनाएगा। नए ड्राफ्ट का उद्देश्य सांसदों को एक सिंगल,अपडेटेड वर्जन प्रदान करना है, जो सभी सुझाए गए परिवर्तनों को दर्शाता है। अपडेटेड इनकम टैक्स बिल 2025 में संसदीय चयन समिति के 285 सुझाव शामिल हैं।

क्यों लाया नया आयकर बिल

नए कानून का उद्देश्य कर प्रक्रियाओं को सरल बनाना और पिछली कमियों को दूर करना है,जिससे देश में आयकर परिदृश्य में संभावित रूप से बदलाव आ सकता है। पिछले सप्ताह, इनकम टैक्स बिल, 2025 को सरकार ने औपचारिक रूप से वापस ले लिया, जिसे 13 फरवरी को लोकसभा में मौजूदा आयकर अधिनियम, 1961 के स्थान पर पेश किया गया था।

रिवाइज्ड इनकम टैक्स बिल में ये बड़े बदलाव

सरकार के अनुसार, रिवाइज्ड बिल में सभी करदाताओं को लाभ पहुंचाने के लिए स्लैब और दरों में व्यापक बदलाव किए गए हैं। नए स्ट्रक्चर से मिडल क्लास के करों में कमी आएगी और उनके हाथों में अधिक पैसा बचेगा, जिससे घरेलू उपभोग, बचत और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

निर्मला सीतारमण ने बताया बिल में क्या है...

लोकसभा में विधेयक पेश करते समय वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि कई सुझाव प्राप्त हुए, जिन्हें सही विधायी अर्थ प्रदान करने के लिए शामिल किया जाना आवश्यक था। उन्होंने कहा कि ड्राफ्टिंग के नेचर, वाक्यांशों के अलाइनमेंट, रिजल्टिंग चेंजेस और क्रॉस रेफरेंसिंग में सुधार किए गए हैं। भ्रम से बचने के लिए पहले वाले बिल को वापस ले लिया गया था। अब नया इनकम टैक्स बिल 2025 लोकसभा में पारित हो गया है।

विपक्ष ने बिना चर्चा बिल पास होने पर उठाए सवाल

विपक्ष ने नए इनकम टैक्स बिल के पास होने पर सवाल उठाए हैं। समाजवादी पार्टी के मुखिया और सांसद अखिलेश यादव ने नए आयकर विधेयक 2025 पर रिएक्ट किया। उन्होंने कहा कि सदन में बिना चर्चा के इतना बड़ा फैसला हो गया। आयकर विधेयक में कोई नया परिवर्तन होने जा रहा है। नोटबंदी, जीएसटी की स्थिति सभी ने देखी है। अब अमेरिका भी टैरिफ बढ़ा रहा। कारोबार व्यापार चीन पर निर्भर है, हम ये सब देख रहे हैं। अखिलेश यादव ने आगे कहा कि हम देश को कहां लेकर जा रहे हैं? अमृत काल में कैसे विकसित भारत बनेगा, ये बड़े सवाल हैं।

बिना चर्चा के पास हुआ नया आयकर बिल

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को विपक्षी हंगामे के बीच लोकसभा में नया इनकम टैक्स बिल, 2025 का रिवाइज्ड वर्जन पेश किया। इसमें बीजेपी नेता बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली संसदीय चयन समिति की ओर से अधिकांश सिफारिशों को शामिल किया गया है। ये नया बिल, इनकम टैक्स एक्ट 1961 पुराने कानूनों को बदलने वाला है। इस बिल को बिना चर्चा के लोकसभा से मंजूरी मिल चुकी है।

चुनाव आयोग तक विपक्षी सांसदों का मार्च

» बैरिकेड पर चढ़े अखिलेश

» राहुल गांधी समेत कई सांसद हिरासत में...

नई दिल्ली,11अगस्त 2025 (ए)। चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे विपक्ष के नेताओं ने दिल्ली में कथित वोट चोरी के खिलाफ व्यापक मार्च निकाला है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष के 300 से ज्यादा सांसद इस मार्च में शामिल हो रहे हैं। इस दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष पुलिस बैरिकेड फांद कर निकल गए। विपक्षी सांसद संसद भवन के मकर द्वार से चुनाव आयोग के दफ्तर तक जा रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने इस दौरान सुरक्षा के कई लेयर का इंतजाम किया है। इस दौरान अखिलेश यादव विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के बीच बैरिकेड फांदकर कूद गए। बैरिकेड से कूदे अखिलेश यादव को वहां मौजूद दूसरे नेताओं ने संभाल लिया। अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग पर कई बार प्रश्न चिन्ह लगे हैं।

संपादकीय

हिमालयी राज्यों की नियति बनती प्राकृतिक आपदाएं

प्राकृतिक आपदाएं उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश सहित सभी हिमालयी राज्यों की नियति बनती जा रही हैं। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली में बादल फटने के कारण खीर गंगा नदी में बाढ़ आ जाने से जो भयंकर विपदा आई उससे पूरा देश सहम गया है। चंद सेकंडों ही में चहल-पहल भरा बाजार और इलाका तहस-नहस हो गया। दूर गांवों में रहने वाले ग्रामीण,जो यह नजारा देख रहे थे, स्थानीय लोगों को सावधान करने और वहां से भागने के लिए चीखते रह गए। पानी और मलबे के शोर में कोई उनकी चेतावनियों को नहीं सुन पाया।यह सब इतना तेजी से घटा कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिल पाया और देखते ही देखते भवन,दुकानें, होमस्टे और होटल बह गए। पूरा धराली बाजार मलबे से पट गया है, और इस कारण हुए जान-माल के नुकसान का पता लगने में लंबा वक्त लगेगा। धराली गंगोत्री धाम से करीब 20 किमी. पहले पड़ता है, और चार धाम यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। शांत बहने वाली खीर नदी पहले ग्लेशियर और फिर घने जंगलों से होकर बहती है। इसलिए इसका पानी अत्यंत शुद्ध है।आगे चल कर यह भागीरथी से मिल जाती है। इसलिए इसे खीर गंगा कहा जाता है लेकिन बरसात में समस्त पहाड़ी नदियों की तरह यह नदी भी उग्र रूप दिखाती है। पहले भी खीर गंगा में भीषण बाढ़ आ चुकी है। इतिहास टटोलें तो खीर गंगा में सबसे भीषण बाढ़ 1835 में आई थी। तब नदी ने सारे धराली कस्बे को पाट दिया था। बाढ़ से यहां भारी मात्रा में मलबा (गाद) जमा हो गया था। कहते हैं कि अभी यहां जो भी बसावट है, वह उस समय नदी के साथ आई गाद पर स्थित है।1978 में धराली से नीचे डबराणी में एक डैम टूट गया था। इससे भागीरथी में भयंकर बाढ़ आ गई थी और कई गांव बह गए थे। धराली और आसपास के इलाकों में बादल फटने, भूस्खलन की घटनाएं होती रहती हैं। लेकिन पहली बार इतनी व्यापक क्षति हुई है। वर्ष 2013 की केदारनाथ त्रासदी के बाद लगा था कि राज्य सरकार और प्रशासन ने सबक लिया है, और अब नदी-नाले और इनके किनारे मानवीय हस्तक्षेप से बचे रहेंगे लेकिन दुखद बात है कि गंगा के किनारों का हाल 2013 से भी बुरा हो गया है।बादल फटना हिमालय क्षेत्र में विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं में से एक है। इसकी वजह है बहुत कम समय में किसी छोटे इलाके में भारी बारिश का होना। जलवायु परिवर्तन के कारण इन घटनाओं की आशंका लगातार बढ़ रही है। ऐसी आपदाओं से बचना तो मुश्किल है लेकिन नदी घाटियों से तो आबादी को तो दूर रखा ही जा सकता है जिससे बाढ़ और भूस्खलन की मार से बचा जा सके।

सांस्कृतिक अवमूल्यन,युवाओं में बढ़ती यौन अपराध की मानसिकता

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

एतिहासिक काल से ही भारतीय संस्कृति और सभ्यता में ऐसा लचीलापन है कि अनेक विदेशी सभ्यताओं को हमने अपनी सभ्यता में आत्मसात कर उन्हें भी अपने रंग में रंग लिया है। उन सब के रंगों में हम भी रंग गए हैं। भारतीय समाज की विशेषता है कि यह क्रमिक रूप से बाहरी मूल्यों को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है जिसके फलस्वरूप आज समाज विभिन्न संस्कृतियों, सभ्यताओं तथा मूल्यों का अद्भुत समूह बन गया है।

(यूं कहें कि अलग-अलग सभ्यताओं के पुष्पों का एक रंग बिरंगा गुलदस्ता ही बन गया है। वही सभ्यताओं के आत्मसात करने के परिणाम स्वरूप पाश्चात्य सभ्यता से हिंदुस्तानी समाज में बड़ी विसंगतियां जन्म लेने लगी है। सभ्यताएं तो आई लेकिन अपनी बुराइयों को भी लेकर आई हैं। इससे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का अवमूल्यन सी हुआ है।इसके अलावा पाश्चात्य सभ्यता ने खुलेपन आमंत्रित कर युवाओं तथा

पुरुषों के मन में वासनात्मक कुंठा को जन्म दिया है। जिसके कारण महिलाओं पर यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है। आज भारतीय समाज निश्चित तौर पर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और यही वजह है कि पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रवृतियों मानसिक भावनाओं को संक्रमित कर कुंठा को जन्म दिया है। यही कारण है कि मानसिक संक्रमण से भारतीय समाज पाश्चात्य सभ्यता का अंधा अनुसरण कर रहा है जिसके कारण मानवीय मूल्यों में नैतिक स्खलन स्पष्ट दिखाई देने लगा और इस नैतिक गिरावट से हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। पाश्चात्य सभ्यता के दुष्प्रभाव में सबसे गहरा दुष्प्रभाव यौन हिंसा के प्रचार प्रसार का है। पुरुष समाज की मानसिकता है की पुरुष होने के कारण उन्हें कुछ चीजों का हक नैसर्गिक रूप से प्राप्त है जैसे कि अच्छी पत्नी और संतान में बेटों की प्राप्ति,कोई भी पुरुष अपनी आने वाली पीढ़ी में पुत्री नहीं चाहता है जबकि पुत्र पुत्री एक समान ही होते हैं बल्कि जो मायूस होकर पुत्री जन्म का दुख मनाते हैं उन्हें वर्तमान में पीएससी और यूपीएससी की रिजल्ट लिस्ट देखनी चाहिए इसमें बालिकाओं ने बहुत अच्छे अंको से परीक्षा पास कर समाज में उनकी अहम भूमिका को सार्थक किया है। वर्तमान समाज में परंपरागत रूप से पुरुषों को ऐसा करते देख उसकी आने वाली पीढ़ी भी अपने महिला संगिनी से दुर्व्यवहार और हिंसा करने से नहीं चूकता है। पुरुष की कुंठा इस कदर बढ़ चुकी है कि वह किसी सुंदर स्त्री को देखकर यह चाहने लगता है कि वह स्त्री उसकी अंक शायनी हो जाए और यदि स्त्री उसके विमुख होती है तो वह उस पर बलात नियंत्रण करने की कोशिश में यौन अपराध की ओर उन्मुख हो जाता है। अपरिपक्व उम्र से ही किशोरावस्था के युवक सेक्सुअल हिंसा के प्रति उन्मुख होने लगे हैं हमें इसकी असली वजह तथा कारण को समझना होगा मोबाइल का इंटरनेट कंप्यूटर लैपटॉप ने इस विकृत संस्कृति को एक खुला आकाश दे दिया है समाज में बढ़ती योन अपराधिक हिंसा के मुख्य कारणों में से एक इंटरनेट मोबाइल और लैपटॉप का घर घर उपलब्ध होना ही है।

मानसिक रूप से अपरिपक्व को बच्चों के पास मोबाइल तथा लैपटॉप तथा इंटरनेट आ चुका है और उससे वह वह वासनात्मक कहानियां, चित्र और फिल्में देखकर युवतियों तथा छोटी-छोटी बच्चियों पर यौन अपराध करने से नहीं चूकते और यही वजह है कि भारतीय संस्कृति विकृत होकर युवकों द्वारा बड़ी संख्या में यौन अपराध किए जा रहे हैं। जिसके कारण महिलाओं की भावना तथा आत्म सम्मान में गिरावट आकर आत्महत्या तक के परिणाम सामने आने लगे हैं। आंकड़ों में यदि जाएं तो 2020 में लगभग 40,000 बलात्कार के मामले हिंदुस्तान में सामने आए हैं जिनमें 18 साल से कम आयु की लड़कियों की संख्या 16800 की और सबसे खतरनाक तथा विवाद,वीभस्त आंकड़ा जो है वह 6 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ बलात्कार की घटना के लगभग 600 मामले सामने आए हैं। यौन हिंसा के अलावा बच्चियों, युवतियों तथा महिलाओं द्वारा युवाओं द्वारा दिए गए प्रणय निवेदन तो ठुकरा दिए जाने के बाद तेजाब फेंकने की घटनाएं तीव्रता से बड़ी हैं 2010 से लेकर 2020 तक महिलाओं पर तेजाब फेंकने की 1208 घटनाएं विभिन्न जगहों में संबंधित थानों में पंजीकृत हुई है। माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रशासन को एसिड की खरीदी बिक्री पर रोक लगाने के आदेश भी दिए गए, पर आज भी पूरे देश में तेजाब की बिक्री खुलेआम हो रही है। तेजाब पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसके अलावा इंटरनेट मोबाइल पर भी प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है इस पर भी एक उम्र की सीमा से ऊपर के लोगों को इस्तेमाल करने की अनुमति दी जानी चाहिए। भारत में महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा कर एक अभियान चलाकर इसे योजनाबद्ध तरीके से कानून की मदद से हिंदुस्तान भर में विस्तारित किया जाना चाहिए। इसी तरह कन्या भ्रूण हत्या को भी समूल नष्ट करने का अभियान चलाकर एक प्रभावी योजना तैयार की जानी चाहिए। भारतीय संस्कृति के प्रचार प्रसार के साथ शासकीय योजनाओं को भी यौन हिंसा प्रताड़ना के खिलाफ आमजन को शिक्षित और जागरूक कर पाश्चात्य सभ्यता को ना अपनाने हेतु प्रेरित करना चाहिए।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

दर्द में क्या बंदा रोए भी नहीं

सुशील कुमार 'नवीन',
हिसार, हरियाणा

हरियाणवीं में एक प्रसिद्ध कहावत है जिसकै लागै, वोह-ए जाणै अर्थ है कि चोट का वास्तविक दर्द उसी को होता है,जिसे चोट लगी हो। दूसरों के पास तो सांत्वना के मलहम के अतिरिक्त कुछ नहीं होता है। उपदेशक बन दूसरों को दर्द सहन करने की हिम्मत बंधाना बड़ा सहज है और वही चोट का दर्द खुद पर बन आए तो सांत्वना का मलहम दर्द को और बढ़ा जाता है। इसलिए दर्द का भाव जितना निकले, उसे निकलने देना चाहिए। दर्द को नासूर नहीं बनने देना चाहिए। कांग्रेस के युवराज भी लगभग आजकल दर्द की ऐसी ही स्थिति से गुजर रहे हैं। बंदे ने मेहनत करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी हुई है। पर परिणाम वही ढाक के तीन पात। मई 2014 से शुरू हुआ वनवास लगातार खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा। हर रात के बाद नई सुबह वाला मुहावरा भी रोजाना इस रात की सुबह नहीं कहकर और चिढ़ाकर निकल जाता है। फिर भी राजनीति की हांडी कब शिखर चढ़ जाए, उम्मीद तो बनाकर रखनी ही पड़ेगी। इसी संकल्प को शिरोधार्य कर बंदा सिर पर अमृत का लेप लगाकर सत्ता की चौखट को उखाड़ने का प्रयास जारी रखे हुए है। छह माह की कड़ी मशक्कत के बाद बंदे ने वोट की चोरी नामक नये जिन्न का अवतरण किया। कुछ चर्चा-परिचर्चा ,राजनीतिक गहमा गहमी बनती। महीने-दो महीने राजनैतिक गलियारे में हंसी-ठट्ठे चलते। देश की जनता का बातों का चटखारा लगाने का अवसर मिलता,इससे पहले ही चुनाव आयोग बाबा लट्ठ उठाकर फिर बैठ गया। कह दिया या तो शपथ पत्र दो, या फिर देश की जनता से माफी मांगो। ये अच्छी बात नहीं है। इसकी कड़े शब्दों में निंदा जरूरी है। निंदा क्या? चुनाव आयोग का बायकॉट कर देने का सार्वभौमिक फैसला अब तक हो जाना चाहिए था। क्या सुप्त शक्तियों के कुंभकर्णी निद्रा जागरण का समय नहीं हो पाया है? मेरा तो यही मानना है कि चुनाव आयोग को ऐसा नहीं करना चाहिए। इतनी शीघ्रता से तो कतई नहीं। ये हिंदुस्तान है। यहां हर किसी को भावों को प्रकट करने की आजादी है। आप इसे स्वीकारो चाहे न स्वीकारो। आप बंदे की मेहनत देखिए। कागज की एक फाइल को सर्च करने में दिमाग झन्ना जाता है और बंदे ने न जाने कितनी फाइलें चैक की होंगी। खुद उनके अनुसार कागजों की बड़ी फाइल थी। एक फोटो को लाखों फोटो के सामने कंपेयर किया है। हर एक नाम को चैक किया है। एक सीट की सच्चाई निकालने के लिए छह महीने लगे। ग्राउंड लेवल की मेहनत को इस तरह नकारा नहीं जा सकता। संज्ञा से सर्वनाम तक, उपमेय से उपमान तक, मान से अपमान तक,अर्श से फर्श तक,सुलभ से दुर्लभ तक,आह्वान से विसर्जन तक,भूगोल से खगोल तक सबको इस बात का पूरा दर्द है। दर्द हो भी क्यों न हो 2014 के बाद क्या आयोग बाबा ने बंदे को ऐसा कोई मौका दिया है कि जिससे वो खुलकर हंस सके, जश्न मना सके। क्या बंदे का मन नहीं करता कि वो भी अपने घर के बाहर लड़ी वाले पटाखे छोड़े, गुलाल उड़ाए, जलेबी बंटवाए। दूर तलक तक महक बिखेरता सौ किलो के हार में सौ लोगों के साथ फोटो खिंचवाए।

और सुनें! सत्ता का दर्द और सभी दर्द से भारी होता है। अभाव में नौजवान को बुजुर्ग बनते देर नहीं लगती। कई तो इसी दर्द को लिए समय से पहले सटक जाते हैं। जिनका भाग्योदय हो जाता है वो बुजुर्ग नौजवान हो जाते हैं। बुढ़ापा सीधे पच्चीस-तीस साल आगे सरक जाता है। और आप चाहते हैं कि बंदा दर्द में भी चुपचाप बैठा रहे, न रोए न चिल्लाए। ऐसा कदापि नहीं हो सकता। इसलिए भावों को लगातार बहने दें। और यदि आपको डर है कि भावों की गंगा आपको लपेटे में न लेले तो मंत्र का जाप करें कि ज.है तो मुमकिन है। इस मंत्र के सुबह शाम जाप करने से कोई भी विपरीत शक्ति प्रभाव नहीं दिखा आएगी। सुभाषितावलि का यह श्लोक और भी संभल देगा -

उदेति सविता ताम्रः, ताम्र एवास्तमेति च ।
सम्पत्तौ च विपत्तौ च, महतामेकरूपता ।।

(सूर्य लाल वर्ण का ही उदित होता है और लाल वर्ण का ही अस्त होता है। सम्पत्ति और विपत्ति इन दोनों परिस्थितियों में महान् पुरुष एक जैसे रहते हैं।)

भारतीय यंग ब्रिगेड से सभी हतप्रभ

इंग्लैंड का यह समर बेहतरीन टेस्ट क्रिकेट और एक उम्दा टेस्ट कप्तान के तौर पर उभरने के लिए याद किया जाएगा। एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज के आखिरी दो टेस्ट बाकी रहने पर भारतीय टीम 1-2 से पीछे थी, और चौथे मैनचेस्टर टेस्ट में इंग्लैंड के पहली पारी में 311 की बढ़त बनाने पर किसने सोचा था कि भारतीय यंग ब्रिगेड सीरीज ड्रा कराकर लौटेगी। पर शुभमन गिल और गौतम गंभीर की इस टीम ने मैनचेस्टर टेस्ट ड्रा ही नहीं कराया, बल्कि ओवल टेस्ट तमाम विपरीत हालात में भी जीत कर सीरीज बराबर करा कर सभी को हतप्रभ कर दिया। इस सीरीज में गिल एक ऐसे कप्तान के तौर पर उभरे हैं, जिनसे आने वाले समय में बहुत उम्मीदें लगाई जानी हैं।इस यंग ब्रिगेड ने दिग्गजों की अनुपस्थिति में बल्लेबाजी ही नहीं,गेंदबाजी में भी ऐसे कारनामे किए हैं, जिनकी चर्चा आने वाले तमाम सालों तक चलनी हैं। कप्तान गिल ने अपने आलोचकों को धता बताते हुए सीरीज में सबसे ज्यादा 754 रन बनाए जिनमें एक दोहरा और तीन शतक शामिल रहे। भारत ने एक सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने के ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के 12-12 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी करके दिखाया है कि आने वाले दिन उनके ही रहने वाले हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 1955 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ और पाकिस्तान ने 1982-83 में भारत के ही खिलाफ ये शतक जमाए थे। इस पूरी सीरीज में 21 शतक लगे और टेस्ट क्रिकेट में नई जान डालने वाली साबित हुई है यह सीरीज। भारतीय कप्तान शुभमन गिल करीब डेढ़ माह पहले इस नई जिम्मेदारी के साथ इंग्लैंड दौरे पर गए थे, तब दिग्गज खिलाड़ियों की अनुपस्थिति की ज्यादा चर्चाएं चल रही थीं। गिल की यह यंग साइड कैसा खेलेगी का किसी को भी अंदाजा नहीं था पर इस यंग ब्रिगेड ने जिस अंदाज में बेहतरीन प्रदर्शन करके सीरीज को बराबर कराया और आखिरी टेस्ट में इंग्लैंड के जबड़े से जीत को निकाल कर उन्हें हराया, उससे यंग टीम का डीएनए तो पता चलता है। यह सही है कि भारत यदि आखिरी टेस्ट हार कर सीरीज हार जाता तो इस युवा टीम के साथ कोच गौतम गंभीर को भी आलोचनाओं का शिकार होना पड़ता। लेकिन मोहम्मद सिराज के दिलेरी भरे प्रदर्शन ने इस टीम को हीरो बना दिया है।

-मनोज चतुर्वेदी-

महान भारतीय वैज्ञानिक-डॉ विक्रम साराभाई

संजय गोस्वामी
अणुशक्तिनगर मुंबई,महाराष्ट्र

विक्रम साराभाई का जन्म 12 अगस्त 1919 को गुजरात, भारत के अहमदाबाद शहर में हुआ था। साराभाई के परिवार का उनके जीवन में बहुत महत्त्व था और वे एक अमीर व्यापारी परिवार से सम्बन्ध रखते थे। उनके पिता अम्बालाल साराभाई एक समृद्ध उद्योगपति थे जिन्होंने गुजरात में कई मिल्स अपने नाम कर रखी थी। विक्रम साराभाई, अम्बालाल और सरला देवी की 8 संतानो में से एक थे। अपने 8 बच्चों को पढाने के लिए सरला देवी ने मोंटेसरी प्रथाओ के अनुसार एक प्राइवेट स्कूल की स्थापना की, जिसे मारिया मोंटेसरी ने प्रतिपादित किया था, उनकी इस स्कूल ने बाद में काफी ख्याति प्राप्त की थी। साराभाई का परिवार भारतीय स्वतंत्रता अभियान में शामिल होने के कारण बहोत से स्वतंत्रता सेनानी जैसे महात्मा गांधी,मोतीलाल नेहरू, रबीन्द्रनाथ टैगोर और जवाहरलाल नेहरू अक्सर साराभाई के घर आते-जाते रहते थे। इन सभी सेनानियो का उस समय युवा विक्रम साराभाई के जीवन पर काफी प्रभाव पडा और उन्होंने साराभाई के व्यक्तिगत जीवन के विकास में काफी सहायता भी की.सितम्बर 1942 को विक्रम साराभाई का विवाह प्रसिद्ध क्लासिकल डांसर मृणालिनी साराभाई से हुआ। उनका वैवाहिक समारोह चेन्नई में आयोजित किया गया था जिसमे विक्रम के परीवार से कोई उपस्थित नही था,क्योकि उस समय महात्मा गांधी का भारत छोड़ो आंदोलन चरम पर था,जिसमे विक्रम का परीवार भी शामिल था। विक्रम और मृणालिनी को दो बच्चे हुवे- कार्तिकेय साराभाई और मल्लिका साराभाई. मल्लिका साराभाई अपनेआप में ही एक प्रसिद्ध डांसर है जिन्हें पालमे डी'ओरे पुरस्कार से सम्मानित किया गया उनकी सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता यह थी कि वे एक ऐसे उच्च कोटि के इन्सान थे जिसके मन में दूसरों के प्रति असाधारण सहानुभूति थी। वह एक ऐसे व्यक्ति थे कि जो भी उनके संपर्क में आता, उनसे प्रभावित हुए बिना न रहता। वे जिनके साथ भी बातचीत करते, उनके साथ फौरी तौर पर व्यक्तिगत सौहार्द स्थापित कर लेते थे। ऐसा इसलिए संभव हो पाता था क्योंकि वे लोगों के हृदय में अपने लिए आदर और विश्वास की जगह बना लेते थे और उन पर अपनी ईमानदारी की छाप छोड़ जाते थे। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र इसरो का सबसे बड़ा एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण केंद्र है। यह तिरुवनंतपुरम में स्थित है। यहाँ पर रॉकेट, प्रक्षेपण यान एवं कृत्रिम उपग्रहों का निर्माण एवं उनसे सम्बंधित तकनीकी का विकास किया जाता है। केंद्र की शुरुआत थम्बा भूमध्यरेखीय रॉकेट प्रक्षेपण केंद्र के तौर पर 1962 में हुई थी। केंद्र का पुनः नामकरण भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ० विक्रम साराभाई के सम्मान में किया गया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की स्थापना उनकी महान उपलब्धियों में एक थी। रूसी स्पुतनिक के प्रमोचन के बाद उन्होंने भारत जैसे विकासशील देश के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम के महत्व के बारे में सरकार को राज़ी किया। डॉ. साराभाई ने अपने उद्धरण में अंतरिक्ष कार्यक्रम के महत्व पर ज़ोर दिया. ऐसे कुछ लोग हैं जो विकासशील राष्ट्रों में अंतरिक्ष गतिविधियों की प्रासंगिकता पर सवाल उठाते हैं। हमारे सामने उद्देश्य की कोई अस्पष्टता नहीं है। हम चंद्रमा या ग्रहों की गवेषणा या मानव सहित अंतरिक्ष-उड़ानों में आर्थिक रूप से उन्नत राष्ट्रों के साथ प्रतिस्पर्धा की कोई कल्पना नहीं कर रहें हैं लेकिन हम आश्वस्त हैं कि अगर हमें राष्ट्रीय स्तर पर, और राष्ट्रों के समुदाय में कोई सार्थक भूमिका निभानी है, तो हमें मानव और समाज की वास्तविक समस्याओं के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों को लागू करने में किसी से पीछे नहीं रहना चाहिए। विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को देखते हुए 1962 में उन्हें 'शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया 7 भारत सरकार ने उन्हें 1966 में 'पद्मभूषण' से अलंकृत किया 7 इन सबके अतिरिक्त इंडियन अकादमी ऑफ साइंसेज, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंसेस ऑफ इंडिया, फिजिकल सोसाइटी, लन्दन और कैम्ब्रिज फिलोसाफिकल सोसाइटी ने उन्हें अपना 'फैलो' बनाकर सम्मानित किया। डॉ. साराभाई जब वापस अपने स्वतंत्र भारत में आए तो उन्होंने उन सुविधो को लाने या उसकी पूर्ति करना चाहा था जो अभी लोगो के बीच नहीं था, इसके लिए उन्होंने अपने परिवार द्वारा चलाए जा रहे समाजसेवी संस्थानों को चलाना आरम्भ कर दिया। इस महान वैज्ञानिक के सम्मान में तिरूवनंतपुरम में स्थापित थुम्बा इक्वेटोरियल रॉकेट लॉंचिंग स्टेशन और सम्बध्द अंतरिक्ष संस्थाओं का

नाम बदल कर विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र रख दिया गया , उनके पिता अंबालाल साराभाई एक संपन्न उद्योगपति थे भारत में इंटरमीडिएट विज्ञान की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद विक्रम साराभाई इंग्लैंड चले गये और केम्ब्रिज विश्वविद्यालय के सेंट जॉन कॉलेज में भर्ती हुए अहमदाबाद में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला की स्थापना में उन्होंने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की स्थापना विक्रम साराभाई की महान उपलब्धियों में एक थी विक्रम साराभाई को विज्ञान एवं अभि यांत्रिकी के क्षेत्र में सन 1966 में भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण से सम्मानित किया गया था. विक्रम साराभाई को सन 1966 में पद्म श्री एवं 1972 में पद्म विभूषण से नवाजा गया था7 डॉ. साराभाई द्वारा स्थापित संस्थान में भौतिक अनुसंधान प्रयोग शाला (पी आर एल), अहमदाबाद, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट (आई आई एम), अहमदाबाद, कम्यूनिटी साइंस सेंटर,अहमदाबाद, दर्पण अकाडेमी फ़ॉर परफ़ार्मिंग आर्ट्स, अहमदाबाद,विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, तिरुवनंतपुरम, स्पेस अप्लीकेशन्स सेंटर, अहमदाबाद (यह संस्थान साराभाई द्वारा स्थापित छह संस्थानों/केंद्रों के विलय के बाद अस्तित्व में आया), फ़ास्टर ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर (एफ़ बी टी आर), कल्पकम, वेरिएबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन प्रॉजेक्ट, कोलकाता, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (ई सी आई एल), हैदराबाद, यूरेनियम कार्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (यू सी आई एल),जादूगुडा,बिहार आदि प्रमुख हैं। विक्रम साराभाई ने कास्मिक किरणों के समय परिवर्तन पर अनुसंधान किया और निष्कर्ष किया कि मौसम विज्ञान परिणाम कास्मिक किरण के दैनिक परिवर्तन प्रेक्षण पर पूर्ण रुप से प्रभावित नहीं होगा। आगे, बताया कि अवशिष्ट परिवर्तन विस्तृत तथा विश्वव्यापी है तथा यह सौर क्रियाकलापों के परिवर्तन से संबंधित है। विक्रम साराभाई ने सौर तथा अंतरग्रहीय भौतिकी में अनुसंधान के नए क्षेत्रों के सुअवसरों की कल्पना की थी। वर्ष 1957-1958 को अंतर्राष्ट्रीय भू-भौतिकी वर्ष के रुप में देखा जाता है। साराभाई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय भू-भौतिकी वर्ष के लिए भारतीय कार्यक्रम एक अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा। 1957 में स्पुटनिक-1 के प्रमोचन ने उनको अंतरिक्ष विज्ञान के नये परिदृश्यों से अवगत कराया। तदनंतर, उनकी अध्यक्षता में अंतरिक्ष अनुसंधान हेतु भारतीय राष्ट्रीय समिति का गठन किया गया। थुम्बा का विशेष नक्शा कि वह भू-चुबंकीय मध्यरेखा के निकट है को देखते हुए विक्रम साराभाई ने तिरुअनंतपुरम के पास अरबी तट पर स्थित एक मछुवाही गॉव थुम्बा में देश के प्रथम राकेट प्रमोचन स्टेशन, थुम्बा भू-मध्य रेखीय राकेट प्रमोचन स्टेशन की स्थापना का चयन किया। इस साहस में, उनको होमी भाभा जो उस समय परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष थे से सक्रिय सहयोग मिला था। नवंबर 21, 1963 को सोडियम वाष्प नीतभार के साथ प्रथम राकेट का प्रमोचन किया गया।भारत में अंतरिक्ष कार्यक्रमों के जनक इस महान वैज्ञानिक की 30 दिसंबर 1971 को मृत्यु हो गई, किन्तु उनके बताए रास्तों पर चलते हुए भारतीय वैज्ञानिक 1975 ई. में स्वदेश में निर्मित प्रथम उपग्रह 'आर्यभट्ट' को अंतरिक्ष में भेजने में कामयाब रहे 7 अंतरिक्ष उपग्रहों के कारण ही ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीविजन प्रसारण द्वारा शिक्षा, कृषि एवं ग्रामीण विकास में मदद मिल रही है तथा मौसम पूर्वानुमान से देश के गरीब किसानों को लाभ हो रहा है 7 डॉ. साराभाई के व्यक्तित्व का सर्वाधिक उल्लेखनीय पहलू उनकी रुचि की सीमा और विस्तार तथा ऐसे तौर-तरीके थे, जिनके बल पर वे अपने विचारों को संस्थाओं में परिवर्तित करने में कामयाब हुए 7 उन्हें सृजनशील वैज्ञानिक के अतिरिक्त यदि सफल और दूरदर्शी उद्योगपति, उच्च कोटि का प्रवर्तक, महान संस्था निर्माता, शिक्षाविद,कला मर्मज्ञ, अग्रणी प्रबंध आचार्य जैसे विशेषणों से सुशोभित किया जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी 7 वे आज सशरीर हमारे बीच भले ही न हों, परंतु अंतरिक्ष विज्ञान , परमाणु ऊर्जा, औषधि निर्माण,भौतिक विज्ञान इत्यादि के क्षेत्र में उनके योगदान को भारत कभी नहीं भुला सकता है । डॉ. साराभाई का जीवन विश्व भर के युवा-वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणा का अनमोल स्त्रोत है या। अपने जीवनकाल में साराभाई ने 38 संस्थान स्थापित किए जो आज अंतरिक्ष अनुसंधान, भौतिकी, प्रबंधन और प्रदर्शन कला के क्षेत्र में अग्रणी हैं। उनके बाद आने वाले भारत के लगभग सभी अंतरिक्ष वैज्ञानिक ज्ञान, नेतृत्व और कृतज्ञता में उनके ऋणी हैं।

कविता
खुद को पढ़ी मैं...

घटती-घटना

वीना आडवाणी
नागपुर
महाराष्ट्र

जिंदगी के हर एक पहलुओं को
जब-जब लिख मैंने सजाया है।।
हर बार एक नया घाव शब्दों में
नया भाव उभार ही लाया है।।
हर एक नये भाव संग जब लिखी
लेखन शैली में निखार पाया है।।
खुद के लिये लिख खुद को पढ़ती,
खुद को ही पढ़ सुकून आया है।।
पहले सोचती थी लोग क्या सोचेंगे
दर्द में सबने ताना ही सुनाया है।।
नहीं सोचती लोगों के बारे मे अब मैं
खुद के लिये जीना जो आया है।।
पहले चलाई सिर्फ दर्द पर कलम
बस दर्द ही लिखना जो आया है।।
वक्त संग जिया , अब अपने लिये
हर विषय पर लिखना जो आया है।
सीख बहुत ही पाई जिंदगी से मैंने
अपनों का भी साथ ना मैंने पाया है
नज़र अंदाज़ कर रही रिश्तों को मैं
खुद के दर्द पर विजय मैंने पाया है।।

कविता
किस-किससे नफरत करोगे

घटती-घटना

राजेंद्र लहिरी
पामगढ़
छत्तीसगढ़

दो चार महिलाओं ने
उठा क्या लिया गलत कदम,
पुरुषत्व सोच में रंगा
क्यों निकल रहा तुम्हारा दम,
स्त्रियों पर होते आए अत्याचार
क्यों नहीं देख पाती तुम्हारी आंखें,
अपने किये गये वीभत्स गुनाहों पर
बताते क्यों नहीं दो चार बातें,
नारी के प्रति तुम्हारी सोच
आज हो चुका निम्न स्तर का,
उसे सिर्फ सजावट क्यों समझ रहे हो
बिस्तर का,
बताओ अपनी मां,बहन,बेटी से
आज तक कितनी नफरत की है,
क्या किसी ने थोड़े से
भावनात्मक लगाव नहीं दी है,
तुम्हारे स्तरहीन सोच खुद ही
बोल रहे हैं सोच सोच कर,
कितने अबलाओं की अस्मत
लूट चुके हो नोच नोच कर,
अपने इस गिरी हुई सोच से
नहीं बन पाओगे विद्वान,मनीषी या योगी,
तुम खुद ही खुद को साबित कर रहे हो
भयंकर मानसिक रोगी।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

पुलिस के लिए जनता के मन में सम्मान और अपराधियों में भय होना चाहिए : उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

- गृहमंत्री ने पूरी ताकत के साथ आपराधियों के विरूद्ध कठोरता से कार्रवाई का दिया निर्देश
- पुलिस अधीक्षक जिले के कॉलेज और स्कूलों का महीने में एक बार अवश्य करें भ्रमण
- उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सरगुजा रेंज के पुलिस अधीक्षकों की ली बैठक
- मादक पदार्थों,जुआ,सट्टा के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई का निर्देश

आम नागरिकों से बेहतर व्यवहार के लिए निर्देश

थानों में अनुशासन के लिए एसपी-एसएसपी और डीएसपी प्रत्येक सप्ताह परेड कराए,कानून व्यवस्था बनाएं रखने तथा सतर्क रहने का निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने आज सरगुजा कोर्डिनेशन सेंटर में सरगुजा रेंज अंतर्गत सभी पुलिस अधीक्षकों की उच्चस्तरीय बैठक ली। बैठक में उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की और पुलिस तंत्र को अधिक प्रभावी, संवेदनशील और जवाबदेह बनाने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में श्री शर्मा ने स्पष्ट कहा कि कानून का राज स्थापित करना और अपराधियों के मन में भय पैदा करना पुलिस की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। गंभीर अपराधों के मामलों में दोष सिद्धि की दर बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने सभी जिलों में मामलों की नियमित और वैज्ञानिक मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पुलिस अधीक्षक न केवल अपने कार्यालय में आने वाले लोगों से समय पर मिलें, बल्कि अधीनस्थ पुलिसकर्मियों से भी संवाद कर उनकी समस्याओं और जरूरतों को समझें। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों से कहा कि जिले के कॉलेज और स्कूलों का महीने में एक बार भ्रमण अवश्य करें और थानों में अनुशासन के लिए एसपी-एसएसपी और डीएसपी प्रत्येक सप्ताह परेड भी कराए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह श्री मनोज पिंगुवा, आईजी पीएचक्यू श्री अजय यादव, आईजी सरगुजा श्री दीपक झा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अलावा सरगुजा रेंज के बलरामपुर-रामानुजगंज, जशपुर, कोरिया,मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर,और सरगुजा जिले के पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे।

मानव तस्करी,महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई पर जोर

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बैठक में मानव तस्करी,महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध,अवैध हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे गंभीर अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई पर जोर दिया गया। एनडीपीएस एक्ट के मामलों में एंड-टू-एंड इन्वेस्टिगेशन सुनिश्चित करने और दोषियों को कठोर सजा दिलाने की बात कही गई। अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने, चिटफंड कंपनियों के मामलों की गंभीरता से जांच करने और निवेशकों को धनवापसी की कार्यवाही तेज करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ब्लैक स्पॉट की पहचान कर सुधारात्मक कदम उठाने, यातायात प्रबंधन को मजबूत बनाने और ट्रैफिक पुलिस की सक्रियता बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यातायात व्यवस्था में सुधार केवल पुलिस का नहीं बल्कि प्रशासन और समाज का साझा दायित्व है। उन्होंने सभी स्कूलों और कॉलेजों में ड्रग-फ्री कैंपस अभियान चलाने, छात्रों में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने और सामुदायिक पुलिसिंग के जरिए जनता और पुलिस के बीच भरोसे का रिश्ता मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

साइबर क्राइम की रोकथाम के लिए विशेष प्रशिक्षण

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने साइबर क्राइम की रोकथाम के लिए विशेष प्रशिक्षण, बीट प्रणाली की नियमित समीक्षा और 'लेखकन ऐप' के प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। उन्होंने निर्देश दिया कि ग्राम सभाओं और जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से जनता को पुलिस से जोड़ा जाए, ताकि लोग पुलिस को अपना मित्र और संरक्षक मानें। बैठक के अंत में उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने दो टूक कहा कि पुलिस की कार्यवाही ऐसी होनी चाहिए कि अपराधी कानून से डरें और आम जनता को भरोसा हो कि कानून-व्यवस्था उनकी सुरक्षा के लिए है। उन्होंने कहा जनता के मन में सम्मान और अपराधियों के मन में भय होना चाहिए, यही हमारी पुलिस व्यवस्था की असली सफलता है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 अगस्त 2025/ (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में स्थानीय सर्किट हाउस से गांधी चौक तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो,महापौर श्रीमती मंजूषा भगत तथा भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरपाल सिंह भामरा सहित अन्य भाजपा नेताओं की उपस्थिति में भारत माता की जय तथा वंदे मातरम के उद्घोष के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं व गणमान्य नागरिकों के साथ निकली तिरंगा यात्रा के अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने देश की जनता को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की शानदार सफलता के बाद हमारे देश की सेना के शौर्य व पराक्रम को नमन करने के लिए ये तिरंगा यात्रा आयोजित है। हर भारतीय को जिस तिरंगे पर नाज़ है वो तिरंगा आज विश्व क्षितिज पर गर्व और स्वाभिमान से लहरा रहा है।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा सरगुजा की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

हर घर तिरंगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्घोष है,प्रत्येक बूथ में 50 झंडे जरूर फहराएं : भारत सिंह सिसोदिया

-संवाददाता-
अंबिकापुर,11 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
भाजपा के घर-घर तिरंगा, हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले तिरंगा यात्रा व विभाजन विभिषिका दिवस कार्यक्रम को लेकर भाजपा सरगुजा जिले के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आज भाजपा कार्यालय संकल्प भवन में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता व महापौर अंबिकापुर श्रीमती मंजूषा भगत,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह,भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरपाल सिंह भामरा तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपमा सिंह के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित की गई। इस अवसर पर बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि हर घर तिरंगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का उद्घोष है, इसलिए प्रत्येक बूथ में कम से कम 50 झंडे जरूर फहराएं। उन्होंने बताया कि बीते 6 अगस्त को प्रदेश स्तर में घर-घर तिरंगा हर घर तिरंगा अभियान को लेकर कार्यशाला हुई, तत्पश्चात मंडल स्तर में भी कार्यशाला हुई जिसमें कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। 14 अगस्त को प्रत्येक शक्ति केंद्र में तिरंगा यात्रा

आयोजित करना है साथ ही मंडल स्तर पर मोटरसाइकिल में तिरंगा यात्रा निकालना है। आगे उन्होंने 14 अगस्त को ही विभाजन विभीषिका दिवस मनाने को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि देश विभाजन की त्रासदी को हमारी नई पीढ़ी देखे और विभीषिका को सहने वाले लाखों भारतवासियों का दर्द महसूस कर सके इसलिए यह दिवस मनाना जरूरी है। आगे उन्होंने 14 अगस्त की सुबह स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा देश के महापुरुषों के प्रतिमा की साफ सफाई कर पुष्पांजलि अर्पित करने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर घर-घर तिरंगा हर घर तिरंगा अभियान के जिला प्रभारी व पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने कहा कि हर घर में तिरंगा लगाना है तथा अपने परिवार के साथ सेल्फी लेकर सोशल मीडिया तथा सरल एप्प में डालना है। उन्होंने कहा कि भारत के अलावा दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं जिसका विभाजन धर्म के आधार पर हुआ हो। देश के प्रत्येक नागरिक को अपने देश का इतिहास जानना चाहिए। इस अवसर पर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने कहा कि तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए भाजपा के कार्यकर्ताओं को उत्साह व समर्पण के साथ जुट जाना है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपमा सिंह ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान तिरंगा झंडा का अपमान न हो तथा शाम 5 बजे तिरंगा सम्मान सहित उतर जाए इसकी चिंता भी करनी है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरपाल सिंह भामरा ने कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान भारतीयों के लिए युद्धविराम कर दिया गया, भारत के लोग हाथों तिरंगा लेकर सुरक्षित निकल गए ये हमारे तिरंगे की ताकत थी। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष विनोद हर्ष ने तथा आभार प्रदर्शन पूर्व मंडल अध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला ने किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता, देवनाथ पैकरा,नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह तिन्नी,राजकुमार अग्रवाल,श्रीमती अरुणा सिंह,श्रीमती फूलेश्वरी सिंह, सावित्री जैसवाल, किरण मिश्रा, मधु चौदह, विकास पांडेय, अंकित जैसवाल, आलोक दुबे, विजय व्यापारी, मनोज कंसारी, निश्चल सिंह, देवकी त्रिपाठी, अजय प्रताप सिंह, विद्या नंद मिश्रा, संतोष जैसवाल, अवधेश सोनकर, विशाल गोस्वामी, प्रयाग राज साहू, किन्जल पांडे, मार्कण्डेय तिवारी, रश्मि जैसवाल, दीपक सिंह तोमर, निरंजन राय, अभिषेक प्रताप सिंह, रिंकू वर्मा, इन्दर भगत, मनोज प्रसाद, जतिन परमार, रवि जायसवाल, प्रिया सिंह, आशा शुक्ला, नीलम रजवाड़े, नलिनी पांडे, शिव मंगल सिंह, रविकांत उरांव, शशि कांत जैसवाल, अजय सोनी, विकास गुप्ता, भूपेंद्र सिंह, सतीश शर्मा, राजेन्द्र, अभिनंदन सिंह, दीपक यादव, देव वर्मा तथा सत्येंद्र सिंह सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कलेक्टर जनदर्शन में सुनी गईं जनता की समस्याएं,अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,11 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
जनता की मांग और शिकायतों के समाधान के लिए आज कलेक्ट्रेट कंपोजिट बिल्डिंग सभाकक्ष में कलेक्टर जनदर्शन का आयोजन हुआ। इस दौरान कलेक्टर विलास भोसकर, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। जनदर्शन के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं और मांगें सीधे कलेक्टर के समक्ष रखीं। प्राप्त आवेदनों में राजस्व संबंधी प्रकरण प्रमुख रूप से शामिल रहे, जिनमें भूमि कब्जा,नामांतरण,नक्शा,सीमांकन और बटवारे से संबंधित मुद्दे थे। इसके अलावा प्राकृतिक आपदा प्रबंधन, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा स्कूल भवन की मरम्मत कार्यों से जुड़े आवेदन भी प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री भोसकर ने प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल संज्ञान लेने और निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक प्रकरण की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। गौरतलब है कि कलेक्टर जनदर्शन अब नियमित रूप से प्रत्येक सोमवार प्रातः 11 बजे से आयोजित हो रहा है। इसमें जिले का कोई भी नागरिक अपनी शिकायत, सुझाव या मांग से संबंधित आवेदन सीधे कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत कर सकेगा।

अवैध गौ-मांस परिवहन में प्रयुक्त जीप वाहन राजसात

-संवाददाता-
अंबिकापुर,11 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिक्षण अधिनियम 2004 के तहत सरगुजा जिला प्रशासन ने अवैध गौ-मांस परिवहन में प्रयुक्त जीप वाहन (क्रमांक CG15 JD 0616) को राजसात करने का आदेश पारित किया है। यह आदेश कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा 7 अगस्त को न्यायालयीन प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद दिया गया। चौकी रघुनाथपुर पुलिस के अनुसार, 6 मार्च 2024 को ग्राम सिलसिला के पास एक जीप वाहन तेज और लापरवाहीपूर्वक चलाते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गई। वाहन में सवार आरोपी विल्सन तिग्गा और ललित एक्का मौके से

भागने का प्रयास कर रहे थे,जिन्हें वहां मौजूद प्रार्थी और गवाहों ने रोक लिया। वाहन की तलाशी में बोरी के अंदर 9 प्लास्टिक थैलों में करीब 11 किलो गौ-मांस,लोहे का गंड़ासा,लकड़ी का बैत लगा लोहे की टांगी बरामद की गई। आगे की विवेचना में आरोपियों ने स्वीकार किया कि यह गौ-मांस ग्राम जजगा (थाना सीतापुर) निवासी विरेन्द्र उर्फ विजेन्द्र से लेकर अम्बिकापुर ले जाया जा रहा था। घटना के दौरान वाहन की तेज गति के कारण यह दुर्घटनाग्रस्त हुआ। पुलिस ने आरोपियों का गवाहों के समक्ष मेमो कथन लिया और उनके निशानदेही पर वाहन व गौ-मांस को जप्त किया। बरामद मांस का पशु चिकित्सक द्वारा परीक्षण कराया गया, जिसमें यह Bovine प्रजाति का पाया गया। पुलिस कार्यवाही और न्यायालयीन प्रक्रिया पुलिस ने बरामद मांस के नमूने को Meat Species Identification Laboratory,हैदराबाद परीक्षण हेतु भेजा। जांच रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस अधीक्षक,सरगुजा ने वाहन राजसात करने का प्रतिवेदन न्यायालय में प्रस्तुत किया।

विधायक के ड्राइवर पर एफआईआर दर्ज,छेड़छाड़ का मामला

-संवाददाता-
अंबिकापुर,11 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
एक युवती ने सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो के ड्राइवर पर छेड़छाड़ और मारपीट करने का आरोप लगाया है. युवती ने मामले की रिपोर्ट सीतापुर थाने में दर्ज कराई है. युवती का कहना है कि वह अपनी सहेली के घर जाने के दौरान बड़े पिता के भाई से बात कर रही थी. इसी बीच विधायक का ड्राइवर वहां पहुंचा और उसे पकड़कर छेड़छाड़ की. विरोध करने पर उसने उसे 3-4 थप्पड़ मारे. सीतापुर थाना क्षेत्र निवासी 29 वर्षीय आदिवासी समाज की युवती ने थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के दिन उससे सीतापुर विधायक के ड्राइवर ग्राम ढेलसरा निवासी उमेश प्रधान ने छेड़छाड़ व मारपीट की है।

प्राचीन शिव मंदिर के प्रांगण में पौधा रोपण किया गया

-संवाददाता-
शंकरगढ़,11 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
OPS स्कूल के दो बच्चे क्लास 5 के प्रथम जायसवाल उम्र 10 वर्ष और क्लास 2 उत्कृट जायसवाल उम्र 5 वर्ष ने 60 किलोमीटर दूर अपनी माँ गीतांजनी जायसवाल के साथ आकर हर्राटोली के प्राचीन शिव मंदिर में कई तरह के पौधे जैसे नारियल,केला,आंवला,सुपाड़ी,आम व कई तरह के अनेक फूल के पौधे लगाए जिससे कि मंदिर में तरह-तरह के फल फूल खिले और प्राचीन मंदिर में सुंदरता हरियाली बनी रहे और पर्यावरण सुरक्षित रहे । प्रथम जायसवाल और उत्कृष्ट जायसवाल दोनो बच्चो ने बताया कि

जीवन के लिए पेड़ पौधे होना बहुत जरूरी है पेड़ पौधों से आक्सीजन मिलता है और किसी भी जीव-जन्तु के लिए आक्सीजन बहुत जरूरी है फल और फूल के पौधे भी पर्यावरण सरंक्षण में सहायक होते है । मंदिर के प्रांगण में सोभा बढ़ाने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए फल फूल के पौधे लगाए गए है । फूल के पौधे से न कि सिर्फ मंदिर परिसर की सुंदरता पर चार चांद लगेगा बल्कि यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं को भी आसानी से भगवान शंकर पर फूल चढ़ाने आसानी से मिल जाएगी व छोटे छोटे बच्चो ने सभी से अपने अपने घर मे आस-पास पौधरोपण करने का आग्रह किया जिससे कि वातावरण सुरक्षित रहें ।

आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए योग्य कर्मठ,जुझारू,महिला/पुरूष की आवश्यकता है।

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	10,000 से 15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	10,000 से 15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	10,000 से 15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000

नोटः- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें। स्वयं बायोडाटा के के साथ कार्यालय में संपर्क करें।

पता :- कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना शनि मंदिर के पास,नमनाकला,अम्बिकापुर छत्तीसगढ़, मो0नं0 - 98265-32611

क्या विश्व आदिवासी दिवस पर वर्तमान सरकार आदिवासियों की खुशी में नहीं हुई शामिल ?

विश्व आदिवासी दिवस पर प्रशासन की भी दिखाई दूरी बना चर्चा का विषय

- क्या विश्व आदिवासी दिवस पर सरगुजा सम्भाग के कई जिलों शामिल नही हुए सत्ता पक्ष के बड़े जनप्रतिनिधि ?
- पूर्व विधायक गुलाब कमरो एवं पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने भाजपा सरकार पर आदिवासी समाज की उपेक्षा का लगाया आरोप
- क्या आदिवासी समुदाय के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए और इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होना चाहिए ?

बिहार दिवस मना सकते है तो विश्व आदिवासी दिवस क्यों नही : गुलाब कमरो

सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों का कार्यक्रमो नही आना बना चर्चा का विषय

आपके हिसाब से इस तरह के आयोजन कितने महत्वपूर्ण हैं?

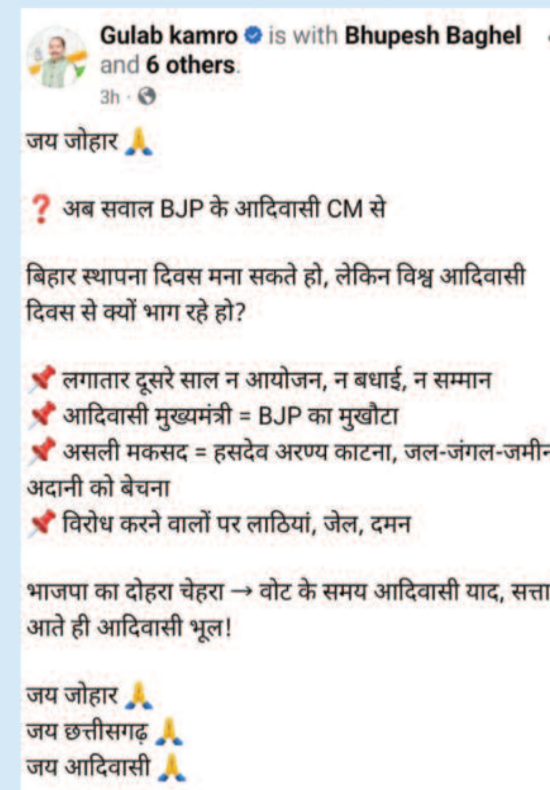

-न्यूज डेस्क-
कोरिया/सरगुजा/एमसीबी
11 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

विश्व आदिवासी दिवस छत्तीसगढ़ में काफी धूमधाम से मनाया जाता था, सरकार भी इसमें आदिवासियों के खुशी में शामिल होती थी,उनके लिए आयोजन करती थी प्रशासन इस कार्यक्रम को लेकर तैयारी में जुड़ता था, पर इस बार ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला,जिसे लेकर विपक्ष ने आलोचना भी की और सत्ता पर सीधे निशाना भी साध है यहां तक कह दिया गया कि आदिवासी मुख्यमंत्री के प्रदेश में आदिवासी दिवस पर ही सरकार का पीछे हटना बहुत बड़ा आदिवासियों के लिए गंभीर मुद्दा बन गया, ऐसा लगा कि आदिवासियों के साथ सरकार नहीं है उनकी खुशी में सरकार शामिल नहीं होना चाह रही थी या फिर आदिवासियों कि सिर्फ फिक्र भाषणों में होता है असल में स्थित कुछ और है? इस वर्ष आदिवासी दिवस के कार्यक्रम में सरगुजा सम्भाग में अधिकांश स्थानों जिला व ब्लॉक मुख्यालयों में सत्ता पक्ष के बड़े जनप्रतिनिधि नही पहुचे जिसकी चर्चा सभी ओर है। पूर्व की कांग्रेस सरकार के समय जहां भव्य आयोजन एक मंच पर किया जाता था वही इस साल अलग अलग जगहों पर समाज ने अपनी सुविधानुसार कार्यक्रम किया । विपक्ष के जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि विश्व आदिवासी दिवस के कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सरकार और जिला प्रशासन की तरफ से अपेक्षित सहयोग उन्हें नही मिला। सरगुजा सम्भाग के अलग अलग जिला मुख्यालयों में आयोजित कार्यक्रमो से सत्ता पक्ष के बड़े नेता विधायक नही पहुचे या जानबूझ कर दूरी बना कर रखा, ये अहम सवाल होता जा रहा है।

बिहार दिवस मना सकते है तो आदिवासी दिवस क्यों नही : गुलाब कमरो

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने भी इस मुद्दे पर बड़ा हमला बोला है विधायक गुलाब कमरो ने सोशल मीडिया पर लिखा जय जोहार अब सवाल भाजपा के आदिवासी सी एम से , बिहार स्थापना दिवस मना सकते हो,लेकिन विश्व आदिवासी दिवस से क्यों भाग रहे हो? लगातार दूसरे साल न आयोजन,न बधाई,न सम्मान क्या आदिवासी मुख्यमंत्री मुखौटा बराबर ही रहेंगे,असली मकसद हसदेव अरण्य काटना,जल-जंगल-जमीन अदानी को बेचना,विरोध करने वालों पर लाठियां,जेल,दमनभाजपा का दोहरा चेहरा वोट के समय आदिवासी याद आते हैं,सत्ता में आते ही आदिवासी भूल जाते हैं,विश्व आदिवासी दिवस जिला एम सी बी के कार्यक्रम में पूर्व विधायक गुलाब कमरो मुख्य अतिथि रहे, उन्होंने कहा कि जनता द्वारा चुने हुए सत्ता पक्ष के बड़े जनप्रतिनिधियों कार्यक्रम में न आना बेहद दुर्भाग्य जनक है, विश्व आदिवासी दिवस किसी पार्टी का कार्यक्रम नही बल्कि पूरे आदिवासी समाज का कार्यक्रम है, पूर्व वर्ती सरकार में यहां भव्य कार्यक्रम हुए सभी का सम्मान किया गया लेकिन सरकार ने कार्यक्रम से ही दूरी बना ली जो खेद का विषय है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने दी तीखी प्रतिक्रिया

पूर्व मुख्यमंत्री और और कॉग्रेस के महासचिव भूपेश बघेल ने रविवार को कोटा में आयोजित आदिवासी सम्मेलन में राज्य सरकार और आरएसएस पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ आदिवासी बहुल राज्य है और यहां आदिवासी मुख्यमंत्री भी हैं,फिर भी विश्व आदिवासी दिवस पर सरकार ने कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया। बघेल ने दावा किया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पहले आदिवासी दिवस मनाने का प्रोटोकॉल जारी किया था,लेकिन संघ कार्यालय से आदेश आने के बाद सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए। उन्होंने कहा,यह चिंता की बात है कि आदिवासियों को मिले अधिकारों का हनन हो रहा है,पेसा कानून का पालन नहीं हो रहा, वन अधिकार और पर्यावरण अधिनियम का उल्लंघन किया जा रहा है, और आदिवासियों का रोजगार छीना जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि उनकी सरकार ने 2019 में विश्व आदिवासी दिवस को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया था और हर साल इसका भव्य आयोजन होता था। उन्होंने कहा कि 2018 से 2023 तक उनकी सरकार ने जन-जंगल-जमीन और वनोपज के लिए कई बड़े फैसले लिए,जिनमें पेसा कानून लागू करना और 165 वनोपजों की खरीदी समर्थन मूल्य पर करना शामिल है। भाजपा की ढबल इंजन सरकार ने ये योज़नाएं बद कर दी गई।

भाजपा राज में आदिवासी दिवस भी उपेक्षित : अमरजीत

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने भी नाराजगी जताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी अमर जीत भगत ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा कि कांग्रेस शासन में हर जिले में आदिवासी दिवस का जश्न होता था, भाजपा आई तो पर्व भी बंद, स्कूल भी बंद, जंगल भी उजड़ गए। ये है भाजपा का विकास मॉडल आदिवासियों के लिए। अमर जीत ने एक और पोस्ट के जरिये लिखा कि भाजपा राज में आदिवासी दिवस भी उपेक्षित! विश्व आदिवासी दिवस पर सरकारी कार्यक्रमों की कमी ने साबित कर दिया कि भाजपा की सोच आदिवासी विरोधी है। हमारे समाज के जल, जंगल, जमीन और अधिकारों को बचाना ही हमारी असली पहचान है और इसे खत्म करने की हर कोशिश का डटकर मुकाबला होगा।भाजपा राज में आदिवासी दिवस भी राजनीति की भेंट चढ़ गया ,न आयोजन, न सम्मान बस उपेक्षा और हमला जल, जंगल, जमीन पर। ये ही है भाजपा का असली आदिवासी विरोधी चेहरा। शिक्षा, जल, जंगल, जमीन पर हमला पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार आदिवासी क्षेत्रों के स्कूल बंद कर रही है। आज अकेले छत्तीसगढ़ में 10,000 से अधिक स्कूल बंद किए जा रहे हैं। यह सिर्फ आंकड़ा नहीं, बल्कि आदिवासी बच्चों के भविष्य के दरवाजे बंद करने की साजिश है, अमरजीत ने कहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में केंद्रीय वन अधिनियम के तहत आदिवासी क्षेत्रों में बसाहट को कानूनी मान्यता दी गई थी, मगर अब बड़े पैमाने पर इन्हें 'अवैध कब्जा' घोषित किया जा रहा है। अमरजीत भगत ने कहा कि हसदेव, तमनार और बस्तर में हो रही पेड़ों की अंधाधुंध कटाई करा भाजपा सरकार अपने ही राज्य में हरे-भरे जंगल उजाड़ रही है। यह सिर्फ पेड़ काटना नहीं, बल्कि आदिवासियों के जीवन, संस्कृति और रोजगार पर सीधा हमला है।

सूरजपुर में भी नही पहुंचे सत्ता धारी दल के दिग्गज

सर्व आदिवासी समाज सूरजपुर द्वारा जिला मुख्यालय के रंगमंच मैदान में बुधवार को आदिवासी दिवस मनाया गया। समाज के लोगों द्वारा बिश्रामपुर रोड में साधु राम सेवा कुंज भवन के पास से रैली निकाली गई। रैली बाईपास रोड होते हुए भैयाथान रोड से अग्रग्रसेन भवन, मनेंद्रगढ़ रोड, केतका रोड होकर रंगमंच मैदान पहुंची। यहां समाज, प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में किसी भी बड़े नेता के नहीं पहुंचने पर लोगों ने नाराजगी व्यक्त की।

क्या भाजपा विधायकों ने आदिवासी दिवस कार्यक्रम से बनाई दूरी ?

सरगुजा सम्भाग के अधिकांश जिला और कही कही ब्लॉक स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक नही पहुचे इससे तरह तरह के सवाल खड़े होने लगे हैं,क्या क्षेत्रीय विधायको ने आदिवासी दिवस के कार्यक्रम से दूरी बनाए? जैसा कि पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया उसी तर्ज पर क्या वाकई विधायको पर भी कार्यक्रमो में न जाने का दबाव था इस तरह के सवाल क्षेत्रो में चर्चा का विषय बना हुआ है। जबकि सरगुजा सम्भाग की अधिकांश विधानसभा सीट पर आदिवासी समाज के ही विधायक निर्वाचित है बावजूद इसके क्या समाज पर राजनीति हावी हो गई। कोरिया एम सी बी में भी आयोजित कार्यक्रमो में विधायक व मंत्रियों की अनुपस्थिति कई सवाल खड़े कर रही है। सरगुजा जिले में तो सांसद चिंतामणि महाराज सहित कई प्रशासनिक अधिकारियों के पहुँचने की खबर है लेकिन बाकी जिलों में इस साल आदिवासी दिवस कार्यक्रम नेताओ की अनुपस्थिति में चर्चा का विषय बन गया।

लखनपुर में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

-संवाददाता-
लखनपुर, 11 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 9 अगस्त दिन शनिवार की दोपहर 12:00 सरपंच संघ लखनपुर के तत्वाधान में साक्षरता मिनी स्टेडियम में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व आदिवासी दिवस को मनाने के लिए समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में में इकठ्ठा हुए। अतिथि पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अमित सिंह देव, रणविजय सिंह देव,सरपंच संघ के अध्यक्ष बनवारी राम आर्मो , गोंडवाना गणतंत्र पार्टी अध्यक्ष इंद्रदेव सिंह उर्रे,सर्व आदिवासी समाज अध्यक्ष रघुवीर सूर्यवंशी, सुख साय पोर्ते, द्वारा संविधान निर्माता डॉक्टर भीम राव अंबेडकर, छत्तीसगढ़ महतारी,रानी दुर्गावती, शहिद वीर नारायण सिंह, विरसा मुंडा, के छाया चित्र के समक्ष दीप जलाकर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर समाज के लोगों ने पारंपरिक सामाजिक गीतों और डीजे के साथ-साथ लखनपुर नगर में एक

रैली निकाली। रैली में शामिल लोगों ने आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करते हुए नृत्य और गीतों के माध्यम से अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। इस आयोजन में समाज की एकता, संस्कृति और परंपराओं का प्रदर्शन किया गया। यह रैली विभिन्न मार्ग होते हुए भारतीय स्टेट बैंक के पास पहुंचा जहां पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू सुरेश साहू के द्वारा रैली का स्वागत करते हुए जलपान की व्यवस्था की गई थी बाद इसके यह रैलीअंबेडकर चौक पहुंचा जहां अंबेडकर जी की प्रतिमा में माल्यार्पण कर पूजा अर्चना के बाद रैली पुनः गुजरी चौक होते हुए लखनपुर प्रतीक्षा बस स्टैंड पहुंचा जहां पप्पू इरशाद, समीम खान,इमरान अंसारी, रुस्तम खान, जानिसार अख्तर,शेरा खान, इमरान हुसैन सहित अन्य लोगों के द्वारा रैली का स्वागत किया गया।साक्षरता मिनी स्टेडियम पहुंच रैली का समापन हुआ। जहां समाज की युवक युवतियां उनके द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने विश्व आदिवासी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह दिवस आदिवासी समुदायों की संस्कृति, परंपराओं और योगदान को पहचानने और सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है।

स्वास्थ्य विभाग मौन,जनता की जान से खिलवाड़,जिम्मेदार कौन ?

-संवाददाता-
एमसीबी/रायपुर 11 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं की हालत पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग पर सीधे तौर पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार आने के बाद से विभाग में बड़े-बड़े घोटालों की भरमार हो गई है। उनके अनुसार, सीजीएमएससी के माध्यम से गुणवत्ता विहीन चिकित्सा सामग्री और ऑपरेशन टूल्स स्वास्थ्य केंद्रों तक भेजे जा रहे हैं,जिसकी शिकायतें डॉक्टर और स्टाफ नर्स स्वयं कर रहे हैं, लेकिन विभाग पूरी तरह मौन है। सवाल उठता है इस चुप्पी के पीछे आखिर कौन है? मरीजों की जान पर सीधा खतरा जनकपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भेजी गई आईसो प्लस आरएल और डीएनएस सलाईन से मरीजों में कंपकपी की शिकायत। महासमुंद मेडिकल कॉलेज एवं

जिला अस्पताल में ऑपरेशन थिएटर में उपयोग होने वाले सर्जिकल ब्लेड जंग लगे और खराब पाए गए। 90 बैच की दवाओं पर शिकायतें, कई टैबलेट्स पर फंगस जमा मिला। सप्लाई करने वाली कंपनी 9 एम इंडिया लिमिटेड। छोटे-बड़े अस्पतालों से लगातार अलग-अलग बैच की गुणवत्ता पर सवाल। सबसे खतरनाक पैरासिटामोल भी खराब पैरासिटामोल जैसी सबसे ज़्यादा इस्तेमाल होने वाली दवा भी खराब पाई गई, जो सीधे-सीधे मरीजों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकती है।

गंभीर आरोप बिना परीक्षण भेजी जा रही दवाएं

पूर्व विधायक का कहना है कि गुणवत्ता विहीन, बिना पूर्व परीक्षण के पूरे प्रदेश के सभी शासकीय अस्पतालों में दवाएं और सर्जिकल सामग्रियां भेजी जा रही हैं। यह प्रदेश की जनता की जान के साथ खिलवाड़ है।

टेंडर प्रक्रिया पर सवाल

- क्या ऐसी कंपनियों को ब्लैक लिस्टेड किया जाएगा या मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ जारी रहेगा?
- क्या स्वास्थ्य मंत्री अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे या विभागीय मिलीभगत से यह खेल चलता रहेगा?

रायपुर से अपहृत बालक को थाना सूरजपुर पुलिस ने किया दस्तयाब

-संवाददाता-
सूरजपुर, 11 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

थाना सूरजपुर अन्तर्गत एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका 16 वर्षीय पुत्र दिनांक 06.08.2025 की सुबह 8 बजे घर से बिना बताए कहीं चला गया जिसकी काफी खोजबीन करने पर नहीं मिला, किसी अज्ञात आरोपी के द्वारा बहला फुसलाकर भगाकर ले गया है। सूचना पर थाना सूरजपुर में गुम इंसान कायमी उपरान्त अपहरण की धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने महिला एवं बच्चों के विरूद्ध अपराध पर संवेदनशील होकर शीघ्रता से कार्यवाही करते हुए अपहृत को दस्तयाब करने के निर्देश दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना सूरजपुर पुलिस के द्वारा अपहृत बालक की लगातार पतासाजी करने के दौरान तकनीक की मदद ली गई जिससे ज्ञात हुआ कि वर्तमान में अपहृत बालक रायपुर में है जिसके बाद पुलिस टीम विधिवत् रायपुर के लिए रवाना हुई और गहन खोजबीन के बाद बालक को दस्तयाब कर वापस लाया गया और उसके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। पूछताछ पर बालक ने बताया कि उसे रायपुर घुमना था किन्तु परिजन मना करते थे इसलिए बिना बताए रायपुर के लिए निकला था। वहीं दूसरे मामले में गुम 22 वर्षीय युवती को थाना सूरजपुर पुलिस ने दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया है।

विश्व आदिवासी दिवस पर खूब झूमे समुदाय के लोग

विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित हुआ वृहद कार्यक्रम

प्रकृति पूजा के साथ विश्व आदिवासी दिवस का कार्यक्रम संपन्न,मेधावी छात्र हुए सम्मानित

-रवि सिंह-
कोरिया 11 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर गत 9 अगस्त को जिला मुख्यालय के मानस भवन में सर्व आदिवासी समाज के बैनर तले विविध कार्यक्रम का आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विश्व आदिवासी दिवस के महत्व को दर्शाने वाला एक भव्य और प्रेरणादायक आयोजन था। प्रकृति पूजा से लेकर पारंपरिक नृत्य, वाद्य यंत्रों और समाज के मेधावी छात्रों को सम्मानित करने तक,यह सब आदिवासी समुदाय की संस्कृति, परंपराओं और उनके संघर्षों का सम्मान करने का एक तरीका था। सर्व आदिवासी समाज ने इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल आदिवासी समाज के अधिकारों की बात की,बल्कि आदिवासियों के ऐतिहासिक योगदान को भी रेखांकित किया। जल, जंगल,और जमीन की सुरक्षा के लिए समुदाय की एकजुटता पर जोर देना भी इस आयोजन का एक महत्वपूर्ण पहलू था। बता दें कि सर्व आदिवासी समाज जिला कोरिया एक पंजीकृत संगठन है। जिसके बैनर तले जिलेभर के आदिवासी समुदाय के विभिन्न जातियों, समाज प्रमुखों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत रामानुज मिनी स्टेडियम से हुई जहाँ बैगा के द्वारा प्रकृति पूजा विधि विधान के अनुसार किया। इसके पश्चात वहां से कतारबद्ध होकर हर्षोल्लास एवं पारम्परिक वाद्य यंत्र,गाजे बाजे के साथ रैली निकाली गई तथा हक-अधिकार के लिए नारे लगाते हुए सर्व समाज की रैली कुमार चौक (घड़ी चौक) पहुंची। इस दौरान बिंझिया समाज ने वाद्य यंत्रों के साथ पारम्परिक गौरा नृत्य प्रस्तुत किये तथा पंडो समाज ने धनुष तीर का प्रदर्शन किया जो आकर्षण का केंद्र रहा। तत्पश्चात रैली मानस भवन पहुंची। सर्वप्रथम अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, धरती आबा बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह एवं अन्य महापुरुषों के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। आमंत्रित अतिथियों एवं समाज प्रमुखों को सर्व समाज ने पुष्प गुच्छ, बुकें एवं बैच पहना लार स्वागत किया। सर्व आदिवासी समाज के जिलाध्यक्ष विजय सिंह ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस का आदिवासी समुदाय के लिए विशेष महत्व रखता है,हमें एकजुट होकर आदिवासियों के हितों की रक्षा के लिए संकल्पित होना होगा। जल जंगल जमीन आदिवासियों की धरोहर है जिसे संरक्षित करना होगा। इस दौरान विभिन्न समाज के कलाकारों ने पारंपरिक मनमोहक नृत्य का प्रदर्शन किया। इस आयोजन में सर्व आदिवासी समाज ने समाज के मेघावी छात्र-छात्राओं को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा,जिला पंचायत उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े,जिला पंचायत सदस्य शिव कुमारी,जिला पंचायत पूर्व अध्यक्ष कलावती मरकाम,बैकुंठपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष उदय सिंह सिंदराम,सोनहद जनपद पंचायत अध्यक्ष आशा देवी सोनपाकर,प्रदेश कांग्रेस पीसीसी सदस्य योगेश शुक्ला कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, अशोक जायसवाल,रवि राजवाड़े,सर्व आदिवासी समाज जिलाध्यक्ष विजय सिंह,ए पन्ना, फा. संदीप तिग्गा,विश्वास भगत रविंद्र सिंह, सुरेश एक्का, ज्ञान साय कुजूर,डॉ आर एस चंदे,कमलेश खाखा,अजित बड़ा,डी एल भास्कर,अशोक लाल कुर्रे,विमला सोनवानी, बाल सिंह, सावित्री सिंह, प्रभु दान बाखला, राजेश कूजूर, दीपक तिर्की,सरोज बड़ा, जेवियर, जीतेन्द्र पैकरा,रजनी बड़ा एवं बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित उपस्थित रहे।

विभिन्न विषयों पर उद्बोधन,सभा को दी जानकारी

कार्यक्रम में संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकार, पेशा क़ानून,नारी शक्ति और शिक्षा प्रवक्ताओं के द्वारा उद्बोधन दिया गया तथा अतिथियों ने भी सभा को सम्बोधित किया।

विश्व आदिवासी दिवस पर सर्व आदिवासी समाज का भव्य आयोजन

मनेंद्रगढ़ नगर में रैली...सांस्कृतिक कार्यक्रम और समाजहित के संदेश गूँजे

-संवाददाता-
एमसीबी, 11 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

सर्व आदिवासी समाज,जिला एमसीबी के तत्वावधान में आज विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह साईं मंदिर, सिविल लाइन से हुई,जहाँ समस्त सामाजिक बंधुओं ने मंदिर में पूजा-अर्चना की। पूजा उपरांत, नगर के चौक-चौराहों और मुख्य बाजार से गुजरते हुए भव्य रैली का आयोजन किया गया, जो कार्यक्रम स्थल तक पहुँची। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक गुलाब कमरों, विशिष्ट अतिथि पूर्व जनपद अध्यक्ष डॉ. विनय शंकर सिंह, डॉ. एस. एस. सिंह,कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमोल सिंह मरावी,विधायक प्रतिनिधि सरजू यादव श्रीमती अनीता सिंह (जिपं सदस्य),श्रीमती ममता सिंह (जिपं सदस्य),भगत बाबू,जानकी देवी कुसरो (अध्यक्ष जनपं.),सरपंच सोनू सिंह सहित कई जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। गोंड समाज-दल प्रताप कुर्रे,उरांव समाज-सीताराम भगत, कोड़ाकू समाज-शंकर कोड़ाकू, अगरिया समाज-मंगलराम, कंवर समाज -भुनेश्वर सिंह, कोल समाज-राजाराम कोल,धुर्वे समाज-रामाधार धुर्वे, पाव समाज-दलबीर सिंह,बैग समाज- रामप्रसाद,भैना समाज-सुखनंदन सिंह, खैरवार समाज-भगवान सिंह,धनुहारे समाज-बुद्धलाल,पण्डो समाज-सोने साय पांडे, पढ़ारी समाज-गुलाब सिंह, विशेष सहयोग डॉ. विनय शंकर सिंह, अमोल सिंह मरावी,संतोष सिंह कमरों, महेंद्र सिंह, भवन सिंह,ब्रह्मा सिंह,मोती सिंह, देवन सिंह,नाभाग सिंह,किरण लकड़ा, रघुवर सिंह,श्रीमती कौशल्या सिंह, ललिता पाव,भागवत सिंह मरावी, रामप्रसाद सिंह शांडिल्य,सुजीत सिंह पोया, आनंद भगत, जगरनाथ,अमर सिंह, शिवरतन और रामलाल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण और आभार प्रकट किया गया कार्यक्रम का समापन समाज के विकास और एकजुटता के संकल्प के साथ हुआ।

दीप प्रज्वलन और अतिथियों का सम्मान

कार्यक्रम के शुभारंभ में समाज और देश के महापुरुषों की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। इसके पश्चात मंच पर विराजमान मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ और गुलाब कमरों से स्वागत किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुति और संदेश

बच्चों और महिलाओं द्वारा पारंपरिक नृत्य, सांस्कृतिक गीत एवं समाजहित से जुड़े संदेश प्रस्तुत किए गए। इन प्रस्तुतियों में जल, जंगल और जमीन की रक्षा का महत्व विशेष रूप से रेखांकित किया गया।

जल जंगल जमीन को है बचाना : विनय शंकर सिंह

डॉ. विनय शंकर ने अपने संबोधन में कहा हमें जल,जंगल,जमीन को बचाना है। केते-परसा कोल ब्लॉक के चलते हमारे जंगल कट रहे हैं। हमें अपने हक को जानना और समाज में एकजुट रहना आवश्यक है। पढ़-लिखकर हमें समाज से दूर नहीं होना चाहिए,बल्कि समाज के विकास में योगदान देना चाहिए।

हमे संविधान से मिले अधिकारो को समझना होगा

मुख्य अतिथि पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने कहा कि हमें अपने अधिकारों को समझना होगा,हमें संविधान से जो अधिकार मिले है उसके कारण मैं विधायक रहा हूँ और उसी अधिकार से अन्य जनप्रतिनिधि भी है। आदिवासी समाज का नारा है जल जंगल जमीन हमारा है यथार्थ करना होगा, जंगल से लाखों रुपए की लकड़ियां चोरी हो रही, सरकार और अधिकारियों के मिली भगत से पूरा जंगल साफ हो रहा है,हमें अपने-अपने क्षेत्र में जंगलों की निगरानी करना है काटने से बचाना है जंगल नहीं रहेंगे तो हम कैसे जिएंगे?

समाज तरक्की करे और आगे बढ़े : सरजू यादव

मेरा बचपन आदिवासी समाज के साथ बीता है। समय के साथ समाज की स्थिति में बहुत सुधार हुआ है। आज हमारे मुख्यमंत्री और राष्ट्रपति भी आदिवासी समाज से हैं,जो गर्व की बात है। मैं चाहता हूँ कि समाज और आगे बढ़े और तरक्की करे। सामाजिक बुराइयों को खत्म करना है-इसी दौरान रामनरेश पटेल ने आदिवासी समाज के महापुरुषों को याद किया और नमन किया, यह दिन हमारे लिए हर्ष का दिन है, आदिवासी दिवस इस लिए मनाया जाता है कि यह दिन हमारी प्राचीन सभ्यता और अपने अधिकारों के बारे में जानने का दिन है,उन्होंने कहा कि बाबा साहब के बदौलत हमें इस देश में वोट का अधिकार मिला और संविधान में आरक्षण मिला। हमारे समाज के लोग जो पीछे है उन्हें आगे लाने का संकल्प लेना है। हम यदि अपने अधिकारों को समझना है। इसके साथ ही हमें अपनी सामाजिक बुराइयों को खत्म करना है, और अपने अन्य साथियों को आगे बढ़ाना है। सर्व आदिवासी सामाज के जिला अध्यक्ष शरण सिंह ने कहा कि हमें समाज को आगे बढ़ाना है समाज की बैठकों और कार्यक्रमों में आना जरूरी है, इन बैठकों और कार्यक्रमों में हमें समाज के अधिकार और अपने कर्तव्यों के बारे में जानकारी मिलती है। हमें संगठित रहना होगा और अपने संगठित भाव रखना होगा

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को चित्रांश परिवार ने गणेश अम्बिका चित्रगुप्त मंदिर संरक्षण हेतु सौपा ज्ञापन

-संवाददाता-
एमसीबी, 11 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

चित्रांश परिवार मनेन्द्रगढ़, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा एमसीबी जिला एवं ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस छत्तीसगढ़ समिति ने सम्माननीय विधायक मनेन्द्रगढ़ एवं स्वास्थ्य मंत्री छत्तीसगढ़ को गणेश अंबिका चित्रगुप्त धाम मंदिर संरक्षण हेतुअपना ज्ञापन सौंपा,मनेन्द्रगढ़,बैकुंठपुर,अनुपपुर जिले से शामिल कायस्थ प्रतिनिधियों ने वरिष्ठ सदस्य श्री आर. बी. श्रीवास्तव के नेतृत्व में उनके चिरमिरी कार्यालय में मुलाकात कर अपना अनुरोध ज्ञापन सौंपा। इस पत्र में उनसे अनुरोध किया गया कि जिला प्रशासन द्वारा भगवान चित्रगुप्त,भगवान गणेश एवं माता दुर्गा, मंदिर को विस्थापित करने या तोड़ने के संबंध में हमें जानकारी मिली है,इस संबंध में आपसे अनुरोध है कि इस मंदिर की आस्था और भक्ति भावनाओं को महसूस करते हुए इसे तोड़ने या विस्थापित करने से बचाया जाए। चार जिलों में एक मात्र भगवान चित्रगुप्त मंदिर का प्रतिनिधित्व करने वाले साईं मंदिर परिसर मनेन्द्रगढ़ मे बने इस भगवान चित्रगुप्त मंदिर को संरक्षण प्रदान करने की कृपा करें,मंत्री मजी ने गंभीरता पूर्वक पत्र पढ़कर सहृदयता पूर्वक कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मंदिर कहीं विस्थापित नहीं होगा और न टूटेगा,उन्होंने भाव विह्वल शब्दों में कहा कि क्या ईश्वरीय आस्था का केन्द्र मंदिर तोड़कर बनाए गए अस्पताल मे कोई मरीज स्वस्थ रह सकता हैं,उन्होंने 220 बिस्तरीय अस्पताल विस्तार से संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात की और गणेश अंबिका चित्रगुप्त धाम मंदिर को बिना क्षति पहुंचाए अस्पताल के विस्तार करने का निर्देश दिया। इस संबंध में उन्होंने कलेक्टर एवं संबंधित अधिकारियों को एक निर्देश पत्र भी जारी करने हेतु अपने सहायक को निर्देश दिए, जो संभवत एक-दो दिन में जारी हो जाएगा, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के संरक्षक बीरेन्द्र श्रीवास्तव एवं लखन श्रीवास्तव तथा ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष बृजभूषण श्रीवास्तव ने विश्वास व्यक्त किया है कि मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के साथ चिरमिरी कार्यालय में हुई यह बैठक चित्रगुप्त मंदिर के संरक्षण में काफी प्रभावकारी कदम होगा।

रायपुर में ध्वजारोहण करेंगे सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर,11 अगस्त 2025 (ए)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री समेत सभी विधायक और सांसद कहां ध्वजारोहण करेंगे इसे लेकर लिस्ट जारी कर दी गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में राजधानी रायपुर के पुलिस मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे। बस्तर जिला मुख्यालय में केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू,बिलासपुर में उप मुख्यमंत्री अरुण साव तथा दुर्ग में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य समारोह में ध्वजारोहण करेंगे।छत्तीसगढ़ में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को पूरा किया जा रहा है। राज्य में सुरक्षा के इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं। प्रशासन द्वारा चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है।

कौन सा मंत्री कहां फहराएगा तिरंगा...

सामान्य प्रशासन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजनांदगांव में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सरगुजा में आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम, गरियाबंद में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, बालोद में वन मंत्री केदार कश्यप, कोरबा में उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, जशपुर में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, रायगढ़ में वित्त मंत्री ओपी चौधरी, सूरजपुर में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, जांजगीर-चांपा में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ध्वजारोहण करेंगे।

सांसद कहां करेंगे ध्वजारोहण

बलौदाबाजार में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, बेमेतरा में सांसद विजय बघेल, कवर्धा में सांसद संतोष पांडेय,बलरामपुर में सांसद चिंतामणि महाराज,महासमुंद में सांसद रूपकुमारी चौधरी,सारंगढ़ में सांसद राधेश्याम राठिया, सक्ती में सांसद कमलेश जांगड़े, बीजापुर में सांसद महेश कश्यप,कांकेर में सांसद भोजराज नाग और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ध्वजारोहण करेंगे।

इन विधायकों को भी मिली जिम्मेदारी

मुंगेली जिला मुख्यालय में विधायक पुन्नूलाल मोहले, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में विधायक धरमलाल कौशिक,कोरिया में विधायक अमर अग्रवाल,धमतरी में विधायक अजय चंद्राकर,मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में विधायक रेणुका सिंह,कोंडागांव में विधायक लता उसेंडी,नारायणपुर में विधायक विक्रम उसेंडी,मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में विधायक राजेश मूणत, दंतेवाड़ा में विधायक किरण सिंहदेव और सुकमा जिला मुख्यालय में विधायक धरमजीत सिंह स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण करेंगे।

महत्वपूर्ण खबर

मुख्यमंत्री ने मिनीमाता की पुण्यतिथि पर उनके योगदान को किया नमन

रायपुर,11 अगस्त 2025(ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद और महान समाजसेविका स्वर्गीय मिनीमाता जी की पुण्यतिथि पर

उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन निस्वार्थ सेवा, अटूट साहस और सामाजिक परिवर्तन का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मिनीमाता जी ने वंचित वर्गों,महिलाओं,दलितों और गरीबों के अधिकारों की रक्षा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया और समाज में सम्मान,समानता एवं न्याय की नींव मजबूत की। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्मरण किया कि संसद में अपने कार्यकाल के दौरान मिनीमाता जी ने बाल विवाह,दहेज प्रथा और छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध सशक्त और निर्भीक स्वर उठाया। उन्होंने मजदूरों के अधिकारों की रक्षा, महिला शिक्षा के प्रसार और सामाजिक समानता की स्थापना के लिए जो योगदान दिया, वह इतिहास के स्वर्णिम अध्यायों में दर्ज है।

7,891 टन चावल गायब

रायपुर,11 अगस्त 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में चावल के स्टॉक में गड़बड़ी का बड़ा मामला सामने आया है। प्रदेशभर में संचालित उचित मूल्य दुकानों के बचत स्टॉक की जांच में यह खुलासा हुआ है कि करीब 900 राशन दुकानों में चावल की भारी कमी पाई गई। इस पर खाद्य विभाग ने कड़ी कार्रवाई करते हुए कई दुकानों के आबंटन रद्द कर दिए हैं और कुछ संचालकों पर एफआईआर दर्ज कराई है।

15 अगस्त पर सभी मस्जिद,मदरसा और दरगाह में होगा ध्वजारोहण

रायपुर,11 अगस्त 2025(ए)। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्यभर की सभी मस्जिद, मदरसा और दरगाह में राष्ट्रीय ध्वज

फहराने के निर्देश जारी किए वक्फ बोर्ड ने अपील की है कि स्वतंत्रता दिवस के महत्व को समझते हुए लोग देशभक्ति, आपसी एकता और भाईचारे का परिचय दें और इस अवसर की गरिमा बनाए रखें। यह आदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज के द्वारा अनुमोदित किया गया है।

कोर्ट के कर्मचारी ने लूट की कोशिश की...गिरफ्तार

बेमेतरा,11 अगस्त 2025(ए)। शहर के मध्य स्थित रतन टॉकीज के पास लीना स्टूडियो सीएससी लोक सेवा केंद्र में एक नाबालिग युवक पर लूट का प्रयास हुआ।

बदमाश ने युवक की आंखों में मिर्ची पाउडर डाला, लेकिन लूट सफल नहीं हो पाई। गुस्साए आरोपी ने लोहे की भारी हथौड़ी से युवक के सिर पर वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पूरा मामला सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बोर्ड परीक्षा के आंसर पेपर चेकिंग में लापरवाही बरतने वाले दर्जनों शिक्षकों को किया गया बैन

- » वेतन रोकने की भी अनुशंसा...
- » रीचेकिंग में 50 से भी ज्यादा बढ़ गए नंबर
- » माशिम ने 59 शिक्षकों को 3 साल और 7 शिक्षकों को 5 साल के लिए किया बैन

रायपुर,11 अगस्त 2025 (ए)। सीजी बोर्ड में इस बार भी 10वीं-12वीं के मूल्यांकन कार्य में गड़बड़ी करने वाले शिक्षकों पर कठोर कार्रवाई की जा रही है। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 66 शिक्षकों पर कार्रवाई की अनुशंसा भेजी है।

तीन श्रेणियों में तय की गई सजा

बोर्ड द्वारा शिक्षकों की सजा तीन श्रेणियों के आधार पर तय की गयी है। 20 से 40 अंकों की वृद्धि वाले प्रकरणों को पहले श्रेणी में रखा गया है। दूसरी श्रेणी में 41 से 49 अंकों की वृद्धि और तीसरी श्रेणी में 50 या 40 से अधिक अंकों की वृद्धि वाले प्रकरणों को रखा गया था। माशिम ने 59 शिक्षकों को 3 साल के लिए प्रतिबंधित करने और एक इंक्रीमेट रोकने की अनुशंसा की है। वहीं 7 शिक्षकों को 5 साल के लिए प्रतिबंधित करने के साथ-साथ एक इंक्रीमेंट पर रोक की अनुशंसा भेजी गयी है।

विष्णुदेव साय का हेलिकॉप्टर खराब,सड़क मार्ग से रवाना हुए सारंगढ़-बिलाईगढ़

रायपुर,11 अगस्त 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हेलिकॉप्टर में एक बार फिर तकनीकी खराबी आ गई। पिछले डेढ़ महीने में यह दूसरी घटना है,जब सीएम के दौरे को लेकर तय की गई हवाई यात्रा अचानक रद्द करनी पड़ी। सोमवार 11 अगस्त को मुख्यमंत्री को सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के दौरे पर रवाना होना था,लेकिन उड़ान भरने से ठीक पहले पुलिस लाइन हेलीपैड में हेलिकॉप्टर में तकनीकी गड़बड़ी सामने आ गई। हेलिकॉप्टर में गड़बड़ी की जानकारी मिलते ही टेक्निकल टीम ने मौके पर ही करीब 45 मिनट तक मेंटनेंस का काम किया, लेकिन समाधान नहीं निकल पाया।

भूपेश बघेल को सुप्रीम कोर्ट से झटका

रायपुर,11 अगस्त 2025(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट (पीएमएलए) की धारा 44 के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच करने के अधिकार को चुनौती दी थी। कोर्ट ने बघेल को यह सलाह दी कि वे अपनी याचिका को हाई कोर्ट में ले जाएं। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि पीएमएलए की धारा 44 में कोई समस्या नहीं है। साथ ही, पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर इस धारा का दुरुपयोग हो रहा है, तो पीडित पक्ष हाई कोर्ट का रुख कर सकते हैं।

12 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शुभारंभ

तिरंगा यात्रा में भी शामिल हुए रमन सिंह

राजनांदगांव,11 अगस्त 2025 (ए)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने सोमवार को तिरंगा यात्रा में भाग लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग हाथों में तिरंगा लेकर निकले। रमन सिंह ने जिले के टेड़ेसरा में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम जिले को कई महत्वपूर्ण सौगातें भी दीं। विधानसभा अध्यक्ष ने 12 करोड़ 86 लाख 94 हजार रुपये की लागत से 11 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

कई विकास कार्यों की सौगात

विधानसभा अध्यक्ष ने शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के नवनिर्मित भवन के लिए सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज शासकीय आईटीआई भवन का लोकार्पण किया गया है। इसके साथ ही लगभग 12 करोड़ 86 लाख 94 हजार रुपये की लागत से 11 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है। टेड़ेसरा गांव में शासकीय आईटीआई भवन निर्माण होने से विद्यार्थियों में उत्साह है। साथ ही अन्य कार्यों का भी लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है।

उन्होंने कहा कि ग्राम टेड़ेसरा में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था 2011 में प्रारंभ हुआ और यहां कोपा, फिटर एवं इलेक्ट्रिशियन जैसे ट्रेड में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। संस्था के पास 7 एकड़ की अतिरिक्त भूमि है। उन्होंने कहा कि तीन ट्रेड के साथ ही अन्य ट्रेड भी यहां प्रारंभ होंगे। जिसके लिए इस भवन में पर्याप्त सुविधाएं है। औद्योगिक क्षेत्र में यहां के युवाओं को रोजगार के नये अवसर प्राप्त हो रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन से जिले में विकास कार्यों को गति मिलेगी।

तिरंगा यात्रा में भी हुए शामिल

रमन सिंह ने आजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता थीम पर निकाली गई तिरंगा बाइक रैली में भी शामिल हुए। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर बाइक रैली को रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने और स्वच्छता के प्रति जनचेतना को सशक्त बनाने के लिए भारत माता की जयकारे के साथ बाइक रैली निकली गई। तिरंगा यात्रा में रमन सिंह के साथ जिले के वरिष्ठ अधिकारी, बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। रमन सिंह ने इस दौरान ग्रामीणों से मुलाकात की और कई मुद्दों पर उनसे चर्चा भी की।

डीआरजी जवान सिलेंडर ब्लास्ट में झुलसा

जगदलपुर ,11 अगस्त 2025 (ए)। बीजापुर जिले के न्यू पुलिस लाइन में रविवार देर रात एक बड़ा हादसा हो गया, जब ड्यूटी से लौटे डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व ग्रुप) के जवान के कमरे में रखा गैस सिलेंडर अचानक फट गया। इस विस्फोट में जवान गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे तत्काल इलाज के लिए

अस्पताल ले जाया गया। वर्तमान में जवान की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। ड्यूटी से लौटकर कमरे में सो रहा था जवान मिली जानकारी के अनुसार, कांकेर जिले के नरहरपुर निवासी 25 वर्षीय भूपेंद्र नानहरे वर्ष 2021 से बीजापुर जिले में डीआरजी में आरक्षक के रूप में पदस्थ है। रविवार को कोतवाली थाना क्षेत्र में ड्यूटी खत्म करने के बाद वह रात करीब 9 बजे न्यू पुलिस लाइन स्थित अपने क्वार्टर में लौट आया। थकान के कारण उसने कमरे में पंखा चालू किया और अगरबत्ती जलाकर सोने चला गया। भूपेंद्र को इस बात की जानकारी नहीं थी कि विभाग की ओर से दिए गए गैस सिलेंडर में रिसाव हो रहा है। सिलेंडर उसके बिस्तर के नीचे रखा था। रिसाव से कमरे में गैस भर गई, लेकिन जवान को इसकी कोई भनक नहीं लगी।

बिजनेसमैन से 15 लाख की लूट

» चाकू-कट्टा दिखाकर 3 सोने की अंगूठियां भी छीनीं

रायपुर,11 अगस्त 2025 (ए)।। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के पंडरी इलाके में सोमवार दोपहर 12 बजे के करीब एक लूट की वारदात हुई। तीन बाइक सवार बदमाशों ने शहर के एक कारोबारी की कार रोककर उन्हें हथियारों के बल पर लूट लिया। आरोपी 15 लाख रुपये नकद और तीन सोने की अंगूठियां लेकर फरार हो गए। कारोबारी चिराग जैन रेलवे स्टेशन के पास बोरवेल पार्ट्स की दुकान चलाते हैं और विधानसभा क्षेत्र में रहते हैं। सोमवार को वह घर से दुकान जा रहे थे। कापा क्षेत्र में सुनसान जगह पर अचानक तीन युवक बाइक से कार के सामने आ गए। एक ने नकाब पहन रखा था, जबकि दो के चेहरे खुले थे।जब कारोबारी ने कार मोड़कर निकलने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उन्हें पकड़ लिया और पीछे से कट्टा व चाकू अड़ा दिया। उन्होंने जान से मारने की धमकी दी और कार में रखा कैश बैग उठा लिया। कारोबारी के मुताबिक बैग में 15 लाख रुपये थे, जो वह बिजनेस के लिए ले जा रहे थे। इसके अलावा, बदमाशों ने उनके हाथों से तीन सोने की अंगूठियां भी उतरवाईं और बाइक से मौके से भाग निकले। पंडरी थाना प्रभारी स्वराज त्रिपाठी के अनुसार मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

देवी-देवताओ का अपमान करने वाले 5 लड़के गिरफ्तार

कांकेर का वीडियो हुआ था वायरल

कांकेर,11 अगस्त 2025(ए)। हिन्दू देवी-देवताओ का अपमान करने वाले 5 लड़के गिरफ्तार किए गए है, अखिलेश मिश्रा पिता दिनेश प्रसाद मिश्रा उम्र 34 वर्ष मरकाटोला फतेचंद जिला कांकेर ने थाना आकर लिखित रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 10.08.25 को सोशल मीडिया में कुछ असामजिक तत्वों के द्वारा श्री राम वनगमन पथ राम वाटिका नाथियानवागांव कांकेर में हिन्दु देवी देवताओ के मूर्तियो के साथ घोर आप्पति जनक कृत्य करते हुये विडियो बनाकर सोशल मिडिया में वायरल किया गया था जिससे हिन्दू देवी देवताओ का अपमान हुआ है और हिन्दू धर्म मानने वालो की भावनाओ को ठेस पहुंचा है कि प्रार्थी के लिखित शिकायत पर से थाना कांकेर में अपराध क्रमांक धारा 196, 298, 299,302,3 (5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

नशे में धुत युवकों ने भगवानों की मूर्तियों के साथ की थी अभद्रता

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले से एक आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है,जिसमें कुछ युवक धार्मिक मूर्तियों के साथ अशोभनीय हरकतें करते नजर आ रहे हैं। यह मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के नवागांव स्थित ईशान वन का बताया जा रहा है। एक युवक बिना शर्ट के प्रभु श्रीराम और भगवान हनुमान की प्रतिमाओं के साथ अशालीन व्यवहार कर रहा है। वह न केवल मूर्तियों से छेड़छाड़ करता है, बल्कि बाद में उन्हें थप्पड़ भी मारा।

मोजो मशरूम फैक्ट्री में फिर विवाद

रायपुर,11 अगस्त 2025 (ए)। खरोरा थाना क्षेत्र में मोजो मशरूम फैक्ट्री में एक बार फिर हिंसा की वारदात सामने आई है। कर्मचारी मयंक वर्मा ने आरोप लगाया है कि जब उन्होंने खाने में मशरूम की सब्जी मांगी, तो सुपरवाइजर आशिक ने न सिर्फ देने से मना किया बल्कि गालियाँ देते हुए रॉड से हमला कर दिया। इस हमले में मयंक के दाहिने हाथ की हथेली में चोट आई है, वहीं उनके साथी भी घायल हुए हैं। मयंक वर्मा, जो वार्ड नंबर 15 बंगोली के रहने वाले हैं, पिछले 3 साल से फैक्ट्री में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 9 अगस्त की सुबह ड्यूटी खत्म कर खाना खाने गए थे, जहां उन्होंने सुपरवाइजर से मशरूम की सब्जी मांगी। आशिक ने पहले मना किया और बाद में गाली-गलौज शुरू कर दी। शाम को मयंक अपने दोस्त डिगेंद्र के साथ फिर फैक्ट्री पहुंचे समझाने के लिए, लेकिन वहां सुपरवाइजर ने उनके आने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी। उसके बाद आशिक और उसके साथी रॉड लेकर उन पर टूट पड़े। इस हमले में मयंक के दाहिने हाथ और डिगेंद्र के सिर, हाथ व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।

श्री डी. के सोनी

छ.ग. प्रदेश अध्यक्ष - हिल द वर्ल्ड फाउंडेशन, दिल्ली
छ.ग. प्रदेश अध्यक्ष - राष्ट्रीय मानव अधिकार संसाधन विकास संस्था, नागपुर
छ.ग. प्रदेश अध्यक्ष - अखिल भारतीय स्वर्णकार वेलफेयर एसोसिएशन
अध्यक्ष - सरगुजा सोसाइटी फॉर जस्टिस, अम्बिकापुर
संरक्षक - सरगुजा सीने आर्ट एसोसिएशन, अम्बिकापुर
सदस्य - नेशनल फेडरेशन ऑफ़ सोसाइटी फॉर फ़ास्ट जस्टिस, दिल्ली
सदस्य - सरगुजा स्वर्णकार समाज

पारिवारिक जानकारी

पिता: **स्व. रामजी प्रसाद सोनी**
माता: **श्रीमती किरोधा देवी**
पत्नी: **श्रीमती रजनी सोनी**
जन्मदिन: **12 अगस्त 1976**
शिक्षा: **बीए, एलएलबी, पी.एच.डी. डॉक्टर ऑफ फिलोस्पी**
कार्यक्षेत्र: **सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ वकालत, सामाजिक और आरटीआई कार्यकर्ता।**

पुत्र: **स्पर्श सर्राफ**
इंटरनेशनल स्पीड बॉल खिलाड़ी हैं जो कई मेडल जीतकर सरगुजा सहित छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किये हैं।

पुत्र: **शौर्य सर्राफ**
फेंसिग (तलवारबाजी) का नेशनल खिलाड़ी हैं जिनके द्वारा भी कई मेडल जीतकर सरगुजा का नाम रोशन किया गया है।
शौर्य सर्राफ का जन्मदिन 13 अगस्त को है।

भ्रष्टाचार के विरूद्ध एक पहचान

एक शख्स जिसने भ्रष्टाचार को रोकने आवाज़ उठाई, एक शख्स जिसने गांव की गलियों से लेकर सरकारी दफ्तरों और न्यायालय तक भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी, कोई इन्हें आरटीआई एक्टिविस्ट के नाम से जानता है तो कोई इन्हें समाजसेवी कहता है। कई नामों से जाने जानेवाले इस शख्स ने भ्रष्टाचार के खिलाफ ऐसी लड़ाई लड़ी है कि लाखों रुपये का अर्थदंड भ्रष्टाचारियों को भरना पड़ा है। लोगों को मनरेगा की लंबित मजदूरी से लेकर ठेकेदारों द्वारा रोके गये रकम तक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस नेक कार्य के लिए इन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया है। इस शख्स ने अपनी एक अलग पहचान प्रदेश में कायम की है। पेशे से अधिवक्ता और अम्बिकापुर निवासी दिनेश सोनी अर्थात डी के सोनी से कौन वाकिफ नहीं है। जिनके नाम से ही भ्रष्टाचारियों कि नींद हराम हो जाती है।

डीके सोनी जो की छत्तीसगढ़ के आदिवासी बाहुल्य जिले सरगुजा के अंबिकापुर में रहते हैं और वकालत के साथ-साथ आरटीआई कानून के माध्यम से आदिवासियों के हित के मुद्दो को हमेशा उठाया है, भ्रष्ट अधिकारियों और राजनेता के विरुद्ध कई मामलों में कार्यवाही कराते देखे गए हैं। मनरेगा योजना में लगभग 5 करोड़ से ज्यादा की रिकवरी अधिकारियों से इन्होंने कराई है। सड़क, स्कूल, बिजली, पानी जैसे बुनियादी सुविधाओं सहित अन्य योजनाओं व भ्रष्टाचार के खिलाफ हमेशा अपनी आवाज बुलंद करते रहे हैं। इस के आलावा ग्राम न्यायालय की स्थापना कराने और घर पर न्याय की परिकल्पना को पूरा कराने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका भी लगाई है, इसके अलावा सरगुजा के घने जंगलों जिसमे हसदेव अरण्य आता है उसे कोल उत्खनन के लिए काटने की अनुमति दे दी गई जिसको लेकर इन्होंने सुप्रीम कोर्ट में राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के खिलाफ भी जनहित याचिका लगाया है। जल, जंगल और आदिवासियों की जमीन को बचाने की दिशा में ये एक महत्वपूर्ण कदम है। इसी तरह समय समय पर और भी जनहित के कार्यों में खेल संघों को आगे बढ़ाने में इनकी विशेष रुचि है। छत्तीसगढ़ राज्य के सुदूर वनांचल क्षेत्र अंबिकापुर से आने वाले आरटीआई एक्टिविस्ट डी. अ के सोनी जी जो पेशे से अधिवक्ता भी हैं उनके द्वारा हमेशा से भ्रष्टाचार, न्याय में देरी एवं विभिन्न क्षेत्र में समाज सेवा हेतु नेक उत्कृष्ट कार्य किए गए हैं जिसके लिए उन्हें समय-समय पर सम्मानित भी किया गया है।

श्री डी.के सोनी आम जन के लिए न्याय व्यवस्था को सुदृढ़, सुगम और शीघ्र न्याय प्रदान करने हेतु अपनी संस्था सरगुजा सोसाइटी फॉर फास्ट जस्टिस के माध्यम से हमेशा जमीनी एवं कानूनी लड़ाई लड़ते रहे हैं इसी कड़ी में उन्होंने ग्राम न्यायालय के गठन के लिए भी एक लंबी लड़ाई जारी रखी हुई है।

सरगुजा सोसायटी फॉर फास्ट जस्टिस के अध्यक्ष, आरटीआई एक्टिविस्ट, समाजसेवी, अधिवक्ता श्री डी.के सोनी वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य में उपभोक्ता हितों के संरक्षण और पीड़ित उपभोक्ताओं को न्याय दिलाने हेतु उपभोक्ता आयोग में अध्यक्ष, सदस्य और कर्मचारियों की नियुक्ति, आधारभूत संरचनाओं के निर्माण तथा ई फाइलिंग जैसे बुनियादी व्यवस्थाओं के लिए जमीनी स्तर पर विरोध प्रदर्शन सहित आरटीआई के माध्यम से स्थिति स्पष्ट कर माननीय सर्वोच्च न्यायालय में भी इंटरविनर बनकर लड़ाई लड़ रहे हैं।

सरगुजा सोसायटी फॉर फास्ट जस्टिस के अध्यक्ष एवं आरटीआई एक्टिविस्ट श्री डी.के सोनी जी ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 एवं नियम 2020 में व्याप्त त्रुटि जैसे जिला आयोग में अध्यक्ष और सदस्यों में अनुभव में अंतर को सुधार हेतु जिससे वरिष्ठ पद अध्यक्ष के लिए अधिवक्ता का केवल 7 वर्ष का अनुभव होना और कनिष्ठ पद सदस्य के लिए 15 वर्ष के अनुभव असंतुलित को सुधार करना, नियुक्तियों में राजनैतिक हस्तक्षेप पूर्णता खत्म करना, चयन समिति द्वारा चयन प्रक्रिया पूरा कर लिए जाने के बाद नियुक्ति प्रदान करने हेतु समय सीमा तय करना, अध्यक्ष पद पर नियुक्ति हेतु पूर्व सदस्यों के कार्यानुभव को भी अनुभव में शामिल करना, सुनवाई की पूरी प्रक्रिया में मध्यस्थता को शामिल करना तथा मध्यस्थता अधिनियम के अंतर्गत वर्तमान मध्यस्थता की व्यवस्था में सुधार कर कंपनियों द्वारा अपने मध्यस्थ पैनल को विवाद उत्पन्न होने वाले राज्य में होने की अनिवार्यता लागू करना जैसे कई और सुधार हेतु जमीनी और कानूनी लड़ाई के साथ साथ संबंधित विभाग, सर्वोच्च व उच्च न्यायालय, राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री को भी उक्त त्रुटियों और की जाने वाली सुधारों से अवगत कराया गया है।

स्वर्णकार वेलफेयर एसोसिएशन के **प्रदेश अध्यक्ष**
सरगुजा सोसायटी फॉर फास्ट जस्टिस के अध्यक्ष, आरटीआई एक्टिविस्ट,
समाजसेवी एवं अधिवक्ता

डॉ. डी.के. सोनी जी

को जन्मदिवस की **हार्दिक शुभकामनायें**

राकेश सोनी
प्रदेश महासचिव
स्वर्णकार वेलफेयर एसोसिएशन (छ.ग.)

अखिलेश सोनी
प्रदेश कोषाध्यक्ष
स्वर्णकार वेलफेयर एसोसिएशन (छ.ग.)

राजू सोनी
प्रदेश संगठन मंत्री
स्वर्णकार वेलफेयर एसोसिएशन (छ.ग.)

राजेश सोनी
प्रदेश उपाध्यक्ष
स्वर्णकार वेलफेयर एसोसिएशन (छ.ग.)

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)